वर्ष : 34 | अंक : 364 | मुंबई, शुक्रवार, 13 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- 'पाव भाजी' के मक्खन का स्वाद भी फीका, चाय-रोटी के दाम बढ़े
- मुंबई में 'मिड-डे मील' योजना ठप, 7 लाख विद्यार्थियों का पोषण आहार बंद

कीमतों में उछाल: 15 का वड़ा पाव अब 25 के पार

आम मुम्बईकर की लाइफलाइन 'वड़ा पाव' अब सस्ता नहीं रहा। परेल और गिरगांव जैसे इलाकों में वड़ा तलने के लिए इस्तेमाल होने वाली गैस की किल्लत के कारण वड़ा पाव की कीमत 15-20 से बढ़कर 25-30 तक पहुंच गई है। अंधेरी और बोरीवली के 'खौ-गली' में मिलने वाली तवा रोटी जो पहले 10-12 की थी, अब 18 की मिल रही है।

7 लाख विद्यार्थियों का पोषण आहार प्रभावित

ईरान-इज़राइल युद्ध के असर से देश में एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हो गई है। कई जगह एलपीजी प्लांट में कमर्शियल सिलेंडर का उत्पादन बंद होने से इसका असर अब स्कूलों में मिलने वाले भोजन पर भी पड़ने लगा है। मुंबई में लगभग 7 लाख विद्यार्थियों को मिलने वाला 'मिड-डे मील' यानी प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना के तहत दिया जाने वाला भोजन गुरुवार से प्रभावित हुआ है।

पुराने चूल्हों की वापसी

बीकेसी और नरीमन पॉइंट के प्रीमियम रेस्तरां ने गैस की निर्भरता कम करने के लिए इंडक्शन प्लेट्स और एयर फ्रायर्स का इस्तेमाल 40% तक बढ़ा दिया है। मोहम्मद अली रोड पर इलेक्ट्रिक स्टोव, चूल्हे और लकड़ी की मांग अचानक बढ़ गई है। कई होटलों में भी गैस की कमी के चलते भोजन चूल्हे पर पकाया जा रहा है, जिससे लोगों को पुराने दौर की यादें ताजा होने लगी हैं।

विधायकों को नहीं मिला भोजन

राज्य में गैस की भारी किल्लत के चलते करीब 40 प्रतिशत होटल बंद हो गए हैं और इसका असर महाराष्ट्र विधानमंडल तक पहुँच गया है। मंगलवार रात सदन की कार्यवाही देर तक चलने के कारण गैस सिलेंडर की कमी से कैंटीन बंद रही, जिससे कई विधायकों और सुरक्षाकर्मियों को भूखे पेट सोना पड़ा, जिस पर बुधवार को जैसे ही विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई।

ईरान-इजरायल युद्ध का असर

जायके पर ब्रेक

- वड़ा पाव से तवा पुलाव तक सब महंगा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

ईरान-इजरायल युद्ध के चलते उपजे गैस संकट ने मुंबई की 'फूड संस्कृति' को हिलाकर रख दिया है। मुंबई, ठाणे जैसे शहर में लगभग चालीस प्रतिशत रेस्तरां बंद हो गए हैं। जुहू चौपाटी और दादर के मशहूर तवा पुलाव और पाव भाजी के स्टॉल्स पर अब गैस बचाने की जद्दोजहद दिख रही है। भाजी को घंटों धीमी आंच पर पकाने की परंपरा अब कम की जा रही है, जिससे वह मशहूर सोंधापन गायब हो रहा है। ठाणे और मामलेटदार की मशहूर 'मिसाल-पाव' के लिए भी अब ग्राहकों को इंतज़ार करना पड़ रहा है क्योंकि रस्सा (कट) उबालने के लिए पर्याप्त गैस नहीं मिल पा रही है।

नवी मुंबई और ठाणे के ढाबों से 'कबाब और तंदूरी' नदारद

नवी मुंबई के पाम बीच रोड और ठाणे के घोड़बंदर रोड स्थित ढाबों ने अपने मेनू से रेशमी कबाब और तंदूरी चिकन जैसे 'स्लो-कुकिंग' आइटम अस्थायी रूप से हटा दिए हैं। इन डिशेज को पकाने में अत्यधिक गैस और समय लगता है। होटल मालिकों का कहना है कि गैस की सप्लाई न के बराबर है, इसलिए वे केवल उन डिशेज को प्राथमिकता दे रहे हैं जो जल्दी बन जाती हैं।

हाई कोर्ट पहुंचा सिलेंडर की सप्लाई का मामला

- केंद्र को नोटिस जारी, 16 मार्च तक देना होगा जवाब

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने से महाराष्ट्र में रसोई गैस का गंभीर संकट पैदा हो गया है। इस स्थिति पर संज्ञान लेते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने गुरुवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और नागपुर स्थित 'कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड' को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, यह निजी कंपनी घरेलू बाजार को प्राथमिकता देने के बजाय अंतरराष्ट्रीय निर्यात को तरजीह दे रही है, जिससे राज्य के घरों, होटलों और लघु उद्योगों में एलपीजी की भारी किल्लत हो गई है।

विधान परिषद में उठा छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा

स्कूल कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य

- नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई: दादाजी भुसे

दीपक पवार | मुंबई

राज्य के स्वयं वित्तपोषित और निजी स्कूलों में काम करने वाले चपरासी, शौचालय सफाई कर्मी, बस ड्राइवर समेत सभी कर्मचारियों का पुलिस से चरित्र सत्यापन कराना अनिवार्य किया गया है। यह जानकारी स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने विधान परिषद में दी। गुरुवार को सदन में भाजपा विधायक प्रसाद लाड और शिवसेना (शिंदे) विधायक मनीषा कायंदे ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से स्कूलों में छात्राओं के खिलाफ बढ़ती अत्याचार की घटनाओं का मुद्दा उठाया।मंत्री भुसे ने कहा कि राज्य में सरकारी स्कूलों के साथ-साथ निजी स्कूलों के कर्मचारियों का भी पुलिस से चरित्र सत्यापन कराना अनिवार्य है। यदि कोई स्कूल यह नियम लागू नहीं करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बदलापुर की घटनाओं का भी हुआ जिक्र

भुसे ने बताया कि बदलापुर में बच्ची के साथ हुई घटना के बाद आरोपी को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। इसके बावजूद दुर्भाग्यवश उसी इलाके में बच्चियों के साथ दो और घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पूरे समाज को मिलकर जागरूकता बढ़ाने और विकृत मानसिकता बदलने की जरूरत है।

प्री-प्राइमरी स्कूलों के लिए बनेगा नया कानून

मंत्री ने बताया कि राज्य में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्री-प्राइमरी स्कूलों को लेकर नया अधिनियम तैयार किया जा रहा है। इसके लिए प्रारूप पर काम चल रहा है और जल्द ही इसे लागू किया जाएगा।

स्कूलों में छात्राओं के लिए बनेंगे 'पिंक कमरे'

मंत्री ने कहा कि राज्य के स्कूलों में छात्राओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 'पिंक कमरे' बनाए जाएंगे। इसके अलावा छात्राओं को आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्कूलों में शिकायत पेटी, 'सखी सावित्री समिति' का गठन और अन्य सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। भुसे ने कहा कि कई स्कूलों के बाहर अभिभावकों को बच्चों को छोड़ने या लेने के लिए खड़ा रहना पड़ता है।

तेंदुओं को मारना अब हर स्थिति में अपराध नहीं

अनुसूची-1 से हटकर अनुसूची-2 में शामिल होंगे तेंदुए

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने तेंदुओं के आतंक से नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत तेंदुओं को अनुसूची-1 से हटाकर अनुसूची-2 में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस ऐतिहासिक निर्णय का मुख्य उद्देश्य मानव बस्तियों में हमला करने वाले तेंदुओं के खिलाफ आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में तेंदुओं का खतरा अधिक है, वहां लोगों की जान बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

विधानसभा में चर्चा और 'आदमखोर' घोषित करने की प्रक्रिया

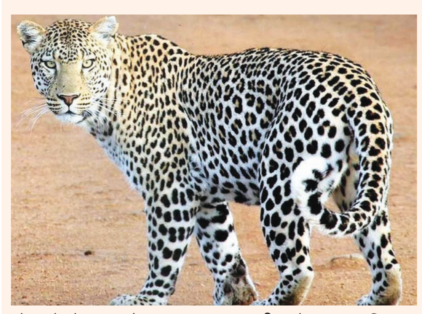

तेंदुओं के हमलों का मुद्दा सत्यजीत देशमुख, विनय कोरे और नीलेश राणे जैसे विधायकों द्वारा विधानसभा में उठाए जाने के बाद सरकार ने यह कड़ा रुख अपनाया है। प्रशासन ने बताया कि अब मानव बस्तियों में घुसकर जानलेवा हमला करने वाले तेंदुओं को 'आदमखोर' घोषित करने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। ऐसे मामलों में यदि कोई नागरिक आत्मरक्षा में कदम उठाता है, तो कानूनी पहलुओं पर विचार करते हुए उसे राहत दी जाएगी। सरकार तेंदुओं की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए बंध्याकरण पर भी जोर दे रही है। केंद्र सरकार ने प्रायोगिक तौर पर 5 मादा तेंदुओं के बंध्याकरण की अनुमति दे दी है। इसके अतिरिक्त, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग की गश्त बढ़ाई गई है और स्कूलों के समय में लचीलापन लाने के निर्देश दिए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज़

शिवसेना विवाद: समय की कमी के कारण टली सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' के मालिकाना हक को लेकर गुरुवार को होने वाली अंतिम सुनवाई समय के अभाव के कारण टल गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि उपलब्धता के आधार पर अब इस मामले पर 1 अप्रैल को सुनवाई होने की संभावना है। सुनवाई के दौरान जब उद्धव गुट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अंतिम बहस के लिए तैयार होने की बात कही, तो अदालत ने निर्देश दिया कि पहले दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत लिखित दलीलों का अध्ययन किया जाएगा।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी का शिकंजा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए रिलायंस होम फाइनेंस (RHFL) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस (RCFL) से जुड़ी 581.65 करोड़ रुपये की 31 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर दिया है। यह कार्रवाई सीबीआई द्वारा दर्ज उन एफआईआर के आधार पर की गई है, जिनमें यस बैंक और यूनियन बैंक जैसे संस्थानों से लिए गए हजारों करोड़ के कर्ज को एनपीए में बदलने और शेल कंपनियों के जरिए डायवर्ट करने का आरोप है।

अग्निशमन दल को मिलेगी देश की सबसे ऊंची सीढ़ी

- मंत्री उदय सामंत ने सदन में दिया आश्वासन
- विधान परिषद में उठा गगनचुंबी इमारतों की सुरक्षा का मुद्दा

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई की ऊंची इमारतों में आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए मुंबई मनपा को देश की सबसे ऊंची अग्निशमन सीढ़ी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे। यह आश्वासन राज्य के कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने विधान परिषद में दिया। गुरुवार को सदन में भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने नियम 92 के तहत मुंबई की गगनचुंबी इमारतों में अग्निसुरक्षा के लिए पर्याप्त ऊंचाई वाली सीढ़ियों की कमी का मुद्दा उठाया था। इसके जवाब में मंत्री उदय सामंत ने सरकार की ओर से यह आश्वासन दिया।

फिलहाल चेन्नई में है 104 मीटर ऊंची सीढ़ी

मंत्री सामंत ने बताया कि देश में फिलहाल सबसे ऊंची 104 मीटर की अग्निशमन सीढ़ी चेन्नई में उपलब्ध है। अब मुंबई में इससे भी अधिक ऊंची सीढ़ी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि ऊंची इमारतों में आग लगने की स्थिति में राहत और बचाव कार्य प्रभावी ढंग से किया जा सके।

मुंबई अग्निशमन दल के पास 94 फीट की सीढ़ी

सामंत ने बताया कि वर्तमान में मुंबई अग्निशमन दल के पास 94 फीट ऊंची सीढ़ी उपलब्ध है। लेकिन मुंबई में लगातार बढ़ रही गगनचुंबी इमारतों को देखते हुए अधिक ऊंची सीढ़ी की जरूरत महसूस की जा रही है।

ऊंची इमारतों में आधुनिक अग्निसुरक्षा प्रणाली अनिवार्य

मंत्री ने कहा कि मुंबई की ऊंची इमारतों में आधुनिक अग्निसुरक्षा प्रणाली अनिवार्य की गई है। इनमें फायर स्टेयरकेस, फायर लिफ्ट, स्प्रिंकलर सिस्टम और अलार्म जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि जिन इमारतों में सभी अग्निसुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है, उन्हीं को मुंबई मनपा और अग्निशमन दल की ओर से अंतिम मंजूरी दी जाती है। सरकार का उद्देश्य मुंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर में अग्निसुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना है।

संकट | 28 जहाजों की सुरक्षा को लेकर ईरान से हुई बातचीत

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने पर भारत चिंतित

नई दिल्ली। भारत ईरान के संपर्क में है, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय झंडे वाले करीब 28 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग मिल सके। अमेरिका और इस्राइल के साथ जंग तेज होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को आंशिक रूप से बंद कर दिया है। इस मामले से जुड़े लोगों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हाल के दिनों में भारत के विदेश मंत्री और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि जहाजों की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। लेकिन इसके आगे कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

केमिकल कंपनियों की सुरक्षा जांच और फायर ऑडिट के आदेश

मुंबई/अंबरनाथ। कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने विधान परिषद में घोषणा की है कि अंबरनाथ की सभी केमिकल कंपनियों की सुरक्षा और फायर ऑडिट की गहन जांच की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन कंपनियों ने अब तक ऑडिट नहीं कराया है, उन्हें तत्काल नोटिस जारी कर इसे पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे। यह कदम सुरक्षा मानकों में लापरवाही को रोकने और औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह मुद्दा भाजपा विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे द्वारा सदन में उठाया गया था, जिन्होंने अंबरनाथ में आग लगने की बढ़ती घटनाओं और बदलापुर में गैस रिसाव की हालिया त्रासदी पर चिंता व्यक्त की थी। इसके जवाब में मंत्री उदय सामंत ने बताया कि उन्होंने स्वयं देर रात घटनास्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं में कई गंभीर खामियां पाई हैं। इसी निरीक्षण के आधार पर उन्होंने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके।

कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन

ठाणे। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के हाथों हाल ही में 'मॉडल करियर सेंटर' (MCC) और 'लाइट हाउस' कौशल विकास केंद्र का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिग्री के साथ-साथ बाजार की मांग के अनुसार तकनीकी कौशल प्रदान करना है। उद्घाटन के दौरान जिलाधिकारी ने युवाओं को तकनीक के साथ अपडेट रहने और 'डिमांड असेसमेंट' करने की सलाह दी, ताकि वे आज के बदलते दौर में बेहतर करियर बना सकें। इस केंद्र की स्थापना महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास विभाग, लाइट हाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन और UBS संस्था के सहयोग से की गई है। लगभग 1500 वर्ग फुट में फैले इस आधुनिक केंद्र में टेक हब, पाठशाला और काउंसलिंग कक्ष जैसी सुविधाएं हैं। यहाँ ई-व्हीकल, ड्रोन तकनीक, ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे 30 से अधिक उद्योगोन्मुखी कोर्स उपलब्ध हैं। आंकड़ों के अनुसार, 15 फरवरी 2024 से अब तक 6500 युवाओं ने यहाँ पंजीकरण कराया है, जिनमें से 750 युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में 12,869 से लेकर 45,000 प्रति माह तक के वेतन पर रोजगार प्राप्त हुआ है।

ठाणे को 100 एमएलडी और पानी मिले: विधायक केलकर

ठाणे। विधायक संजय केलकर ने विधानसभा में बजट भाषण के दौरान ठाणे शहर की बढ़ती पानी की समस्या का मुद्दा उठाते हुए 100 MLD अतिरिक्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बजट में किए गए प्रावधानों, जैसे ठाणे सबवे, एलिवेटेड रोड, ठाणे से नवी मुंबई एयरपोर्ट रोड और ऐरोली-कटाई प्रोजेक्ट का स्वागत किया। केलकर का मानना है कि इन परियोजनाओं और नए जलमार्गों के शुरू होने से न केवल ट्रैफिक की भीड़ कम होगी, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। विधायक ने ठाणे नगर निगम और अन्य निकायों में काम करने वाले हजारों कॉन्ट्रैक्ट वर्करों (ठेका श्रमिकों) के आर्थिक शोषण पर चिंता व्यक्त की।

मेट्रो-9 परियोजना में अनियमितताओं का आरोप

जे. कुमार और एमएमआरडीए अधिकारियों की जांच के आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मीरा-भाईंदर शहर में मेट्रो-9 परियोजना से जुड़े ठेके और खर्च को लेकर विधानसभा के बजट सत्र में बड़ा मुद्दा उठाया गया। स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता की मांग पर राज्य सरकार ने मेट्रो परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच कराने के आदेश दिए हैं। मामला ठेकेदार जे. कुमार और एमएमआरडीए अधिकारियों की भूमिका से जुड़ा बताया जा रहा है।

परियोजना में तीन साल की देरी

मीरा-भाईंदर-दहिसर मेट्रो परियोजना को वर्ष 2023 तक पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक यह कार्य लंबित है। मेहता ने कहा कि तीन साल की देरी के बावजूद ठेकेदार पर किसी प्रकार का दंड नहीं लगाया गया, जो गंभीर सवाल खड़ा करता है।

उड़ानपुल परियोजना में खर्च कई गुना बढ़ा

मीरा-भाईंदर शहर में चार उड़ानपुलों के निर्माण के लिए करीब 217 करोड़ रुपये की निविदा जारी की गई थी। आरोप है कि ठेकेदार ने इसके लिए करीब 620 करोड़ रुपये का बिल प्रस्तुत किया है, जिसकी जांच की मांग की गई है।

कासरवडवली-गायमुख पुल पर भी सवाल

मेहता ने यह भी सवाल उठाया कि कासरवडवली-गायमुख उड़ानपुल का ठेका बिना निविदा प्रक्रिया के कैसे दिया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए।

सरकार ने जांच का दिया भरोसा

शहरी विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने सदन को बताया कि उप मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सदन में जांच की मांग

विधायक नरेंद्र मेहता ने सदन में आरोप लगाया कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों ने मिलकर कई मामलों में निर्धारित दरों से अधिक भुगतान लिया और राज्य सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बॉटल नेक फ्लाईओवर से पहले ही विवाद

मीरा-भाईंदर शहर में एमएमआरडीए द्वारा बनाए गए बॉटल नेक फ्लाईओवर को लेकर पहले ही विवाद हो चुका है। स्थानीय स्तर पर इसके निर्माण को लेकर आलोचना हुई थी। अब मेट्रो-9 परियोजना से जुड़े खर्च और ठेके को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

चेना गांव की जमीन को लेकर आरोप

मेहता ने आरोप लगाया कि चेना गांव की एक जमीन, जो इको-सेंसिटिव जोन और आदिवासी आरक्षण क्षेत्र से प्रभावित है, उसका बाजार मूल्य लगभग 20 करोड़ रुपये है। इसके बावजूद एमएमआरडीए से 120 करोड़ रुपये तक किराया वसूलने का मामला सामने आया है, जिसकी जांच जरूरी है।

दहिसर मेट्रो स्टेशन के खर्च पर सवाल

उन्होंने बताया कि दहिसर मेट्रो स्टेशन का मूल टेंडर करीब 43 करोड़ रुपये का था, लेकिन बाद में इसका खर्च बढ़कर लगभग 73 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस लागत वृद्धि के कारणों पर भी सवाल उठाए गए हैं।

अन्य शहरों में भी उठे समान आरोप

सदन के सभापति तालिका संजय केलकर ने भी ठाणे, कल्याण और डोंबिवली जैसे क्षेत्रों में इसी ठेकेदार से जुड़े समान अनियमितताओं के आरोपों का मुद्दा उठाया और इसकी जांच की जरूरत बताई।

महापे केमिकल कंपनी हादसे में मृतकों की संख्या दो हुई

15 दिन बाद भी एफआईआर नहीं

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

महापे औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक केमिकल कंपनी में 24 फरवरी को हुए रासायनिक रिएक्शन के हादसे में मरने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। इस घटना में चार कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। घटना में घायल कर्मचारी प्रमोद मिश्रा की पिछले सप्ताह इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं बुधवार को गंभीर रूप से झुलसे कैलाशनाथ ने भी दम तोड़ दिया। फिलहाल दो अन्य घायल कर्मचारियों अभिषेक पाठक और जाबिर अंसारी का इलाज ऐरोली स्थित बर्न अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

रासायनिक प्रक्रिया के दौरान हुआ तेज रिएक्शन

जानकारी के अनुसार, फोनपिक्स कंपनी परिसर में रासायनिक प्रक्रिया के दौरान अचानक तेज केमिकल रिएक्शन हुआ। इससे आग और तेज गर्मी की लपटें उठीं, जिसकी चपेट में चार कर्मचारी आ गए। मौके पर मौजूद सहकर्मियों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे के बाद कंपनी में सुरक्षा उपकरणों और सेफ्टी प्रोटोकॉल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि इस मामले में कंपनी प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

श्रमिक संगठनों ने उठाई जांच की मांग

श्रमिक संगठनों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों की नियमित जांच होनी चाहिए। साथ ही इस हादसे की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। परिजनों का आरोप है कि कंपनी मालिक ने उनसे कहा कि "जहां जाना है जाओ, कुछ नहीं होगा।" हालांकि इस संबंध में कंपनी प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष अभी तक सामने नहीं आया है। तुर्भे पुलिस का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार यदि शिकायत दर्ज कराई जाती है तो नियमों के अनुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक के परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

मृतक प्रमोद मिश्रा के परिवार का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने उन पर दबाव डालकर जल्दबाजी में अंतिम संस्कार करा दिया। परिवार का कहना है कि मिश्रा अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। परिजनों का आरोप है कि कंपनी की ओर से "मदद" के नाम पर कुछ रकम देकर उनसे शिकायत न करने का कथित शपथपत्र पर हस्ताक्षर कराया गया। परिवार का दावा है कि यह सब दबाव में कराया गया और उन्हें न्याय नहीं मिल रहा। हादसे को करीब 15 दिन बीत जाने के बावजूद संबंधित थाने में अभी तक औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं होने की बात सामने आई है। इसको लेकर स्थानीय श्रमिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है।

17 लाख की दुकान के सौदे में धोखाधड़ी का आरोप

पीड़ित ने ठाणे पुलिस आयुक्त से लगाई न्याय की गुहार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के न्यू गौरीपाड़ा क्षेत्र में दुकान की खरीद-फरोख्त के सौदे में कथित वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित खरीदार मोहम्मद गुड्डू मोहम्मद हसनैन अंसारी ने विक्रेताओं पर मिलीभगत कर विश्वासघात और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए ठाणे पुलिस आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद गुड्डू अंसारी ने अपनी पत्नी के साथ न्यू गौरीपाड़ा स्थित दीवानशाह दरगाह के पास सुपर प्लाजा बिल्डिंग में गाला/दुकान नंबर 28 खरीदने का समझौता किया था। यह दुकान लगभग 141.49 वर्ग फुट क्षेत्रफल की बताई जा रही है और मकान नंबर 1011/28 के अंतर्गत आती है।

30 जुलाई 2025 को हुआ था समझौता

बताया गया है कि इस दुकान की खरीद के लिए 30 जुलाई 2025 को नोटरी क्रमांक 7021/2025 के तहत दो गवाहों की मौजूदगी में समझौता किया गया था। यह सौदा अंसारी शहजाद आलम हकीमुद्दीन और अंसारी नुज़हत शहजाद आलम से किया गया था। समझौते के अनुसार दुकान की कुल कीमत 17 लाख रुपये तय की गई थी। समझौते के समय खरीदार ने 1 लाख रुपये अग्रिम के रूप में दिए थे, जबकि शेष 16 लाख रुपये एक महीने के भीतर देकर संपत्ति का पंजीकरण अपने नाम कराने की शर्त रखी गई थी।

रजिस्ट्री के समय राशि लेने से किया इनकार

पीड़ित के अनुसार 26 अगस्त 2025 को वह अपने गवाह अंसारी फरहान और इब्राहिम शेख के साथ शेष 16 लाख रुपये देने और रजिस्ट्री कराने के लिए विक्रेताओं के पास पहुंचा। आरोप है कि विक्रेताओं ने अचानक पैसे लेने से इनकार कर दिया और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की। मोहम्मद गुड्डू अंसारी का कहना है कि वह एक गैराज में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसके परिवार में पांच बेटियां और एक बेटा है और इस सौदे के कारण उसे आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

मिलीभगत से धोखाधड़ी का आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि विक्रेताओं ने आपसी मिलीभगत से उसके साथ विश्वासघात किया और जानबूझकर उसे नुकसान पहुंचाया। उनका कहना है कि यह एक गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी का मामला है। इस मामले में मोहम्मद गुड्डू अंसारी ने ठाणे पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मोरबे की मुख्य जलवाहिनी फटी, लाखों लीटर पानी बर्बाद

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नेरूळ इलाके में मोरबे धरण से पानी सप्लाई करने वाली 800 मिमी व्यास की मुख्य जलवाहिनी फटने से लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही नवी मुंबई महानगरपालिका के पानी आपूर्ति विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत का काम शुरू किया। जानकारी के अनुसार नेरूळ सेक्टर-19 क्षेत्र से गुजरने वाली यह मुख्य पाइपलाइन वंडर पार्क के पास नाले के ऊपर से होकर गुजरती है। इसी पाइपलाइन के माध्यम से नेरूळ पूर्व इलाके में पानी की आपूर्ति की जाती है। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन में पिछले कुछ समय से जंग लगने के कारण वह कमजोर हो गई थी। बुधवार को इसमें लीकेज दिखाई दी और बाद में पाइप में बड़ी दरार पड़ने से पानी तेजी से बहने लगा।

तेज दबाव से बहा बड़ी मात्रा में पानी

मुख्य जलवाहिनी होने के कारण पाइपलाइन में पानी का दबाव काफी अधिक था। इसी वजह से तेज गति से पानी बहने लगा और बुधवार से गुरुवार तक लाखों लीटर पानी व्यर्थ बह गया। मोरबे धरण का यही पानी इस पाइपलाइन के माध्यम से इलाके की आवासीय इमारतों को सप्लाई किया जाता है। ऐसे में गर्मी के मौसम में इतनी बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद होने से लोगों में चिंता भी देखी गई। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे नवी मुंबई महानगरपालिका के जलवाहिनी मरम्मत पथक ने घटनास्थल पर पहुंचकर पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की। वेल्डिंग के जरिए पाइप की दरार को बंद किया गया। मरम्मत टीम ने तेजी से काम करते हुए दोपहर तक पाइपलाइन की मरम्मत पूरी कर ली और पानी की लीकेज को रोक दिया गया।

एलपीजी संकट से नवी मुंबई की मेस प्रभावित

पीजी छात्रों और नौकरीपेशा लोगों की बढ़ी परेशानी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

शहर में एलपीजी गैस की कमी का असर अब छोटी-बड़ी मेस पर भी साफ दिखाई देने लगा है। खासकर ऐरोली, कोपरखैरने और घणसोली क्षेत्रों में कई मेस को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिसके कारण कुछ मेस को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। इन इलाकों में बड़ी संख्या में पेइंग गेस्ट (पीजी) में रहने वाले छात्र और नौकरीपेशा लोग भोजन के लिए मेस पर निर्भर रहते हैं। मेस बंद होने से उन्हें रोजाना भोजन के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नवी मुंबई के आईटी और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने के लिए बड़ी संख्या में युवक-युवतियां बाहर से यहां आते हैं। इसके अलावा शिक्षा के लिए भी कई छात्र शहर में रहते हैं, जिनकी सुविधा के लिए ऐरोली, कोपरखैरने और घणसोली में बड़ी संख्या में पीजी और मेस संचालित होती हैं।

कई मेस अस्थायी रूप से बंद

पिछले कुछ दिनों से व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में बाधा आने के कारण मेस संचालकों को बड़ी परेशानी हो रही है। नियमित रूप से मिलने वाले सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं, जिससे भोजन तैयार करने की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई जगह गैस सिलेंडर खत्म होने के बाद नया सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है। इसके चलते कुछ मेस संचालकों को फिलहाल अपनी मेस अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ी है।

मेस संचालकों ने की समाधान की मांग

मेस संचालकों ने प्रशासन से एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति जल्द सामान्य करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले दिनों में और भी मेस बंद हो सकती हैं। ऐरोली के एक मेस संचालक रमेश राठोड के अनुसार, कई मेस ने फिलहाल अपने मेन्यू में बदलाव किया है और ऐसे भोजन बनाए जा रहे हैं जिनमें गैस की खपत कम हो। हालांकि अधिकांश मेस के पास केवल एक-दो दिन का ही गैस स्टॉक बचा है।

बाहर खाना खाने को मजबूर लोग

इस स्थिति के कारण पीजी में रहने वाले कई छात्र और नौकरीपेशा लोग बाहर के होटलों में भोजन करने को मजबूर हो गए हैं। इससे उनका खर्च भी बढ़ गया है और दफ्तर के समय के कारण दूर जाकर भोजन करना भी मुश्किल हो रहा है।

गैस कनेक्शन काटने की धमकी देकर साइबर ठगी

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

गैस कनेक्शन काटने की धमकी देकर साइबर ठगों ने डोंबिवली की एक नौकरीपेशा महिला से करीब तीन लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में डोंबिवली के रामनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सुनीलनगर इलाके में रहने वाली स्मिता राणे के पति के मोबाइल पर एक एसएमएस आया। संदेश में बताया गया कि महानगर गैस का फरवरी महीने का बिल कंपनी के सिस्टम में अपडेट नहीं हुआ है और यदि तुरंत जानकारी अपडेट नहीं की गई तो गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। इन दिनों गैस आपूर्ति को लेकर चल रही चिंताओं और गैस एजेंसियों के बाहर लग रही लंबी कतारों के कारण लोग पहले ही परेशान हैं। इसी डर का फायदा उठाते हुए स्मिता राणे ने एसएमएस में दिए गए नंबर पर संपर्क किया।

> "साइबर अपराधी अब गैस की कमी के डर का फायदा उठाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं और अपने ठगी के तरीके बदल रहे हैं। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और फोन पर किसी के साथ अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी साझा न करें। साथ ही बिल से संबंधित जानकारी केवल कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर से ही जांचें।
>
> **गणेश जावडवाड़, रामनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक**

खुद को गैस कंपनी का प्रतिनिधि बताया

फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने खुद को महानगर गैस का प्रतिनिधि बताया और कहा कि तकनीकी कारणों से उनका बिल सिस्टम में दिखाई नहीं दे रहा है। उसने समस्या हल करने के लिए एक ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी। ठग ने स्मिता राणे को एक लिंक भेजा और बिल अपडेट करने के नाम पर डेबिट और क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरने को कहा। महिला ने लिंक खोलकर मांगी गई जानकारी भर दी, जबकि फोन पर ठग उन्हें बातचीत में उलझाए रखे। इस दौरान साइबर ठगों ने उनके क्रेडिट कार्ड से 2 लाख रुपये और डेबिट कार्ड से 99,500 रुपये निकाल लिए। इस तरह कुल 2,99,500 रुपये की ठगी कर ली गई। बैंक से ट्रांजैक्शन के मैसेज मिलने के बाद स्मिता राणे को ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने तुरंत रामनगर पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 से बढ़ाकर 60 वर्ष होगी

स्थायी समिति की बैठक में सेवा विनिमय 2026 को मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम 1949 की धारा 465 (1 ब से ल) के तहत तैयार किए गए 'नवी मुंबई महानगरपालिका सेवा विनिमय 2026' को महानगरपालिका की पहली स्थायी समिति की बैठक में संशोधनों और सुझावों के साथ मंजूरी दे दी गई। सभागृह नेता और स्थायी समिति सदस्य सागर नाईक ने इस संबंध में प्रस्ताव पेश किया था। स्थायी समिति में मंजूरी मिलने के बाद अब यह प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए महानगरपालिका की सर्वसाधारण सभा में रखा जाएगा। महासभा में चर्चा के बाद इसकी अमलबजावणी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। नए सेवा विनिमय के अनुसार महानगरपालिका के कर्मचारियों और अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है। स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता सभापति अशोक पाटील ने की।

राज्य की पहली महानगरपालिका बनने का दावा

बताया गया कि महानगरपालिका अधिनियम के अनुसार अपने कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए स्थायी समिति के माध्यम से सेवा विनिमय लागू करने वाली नवी मुंबई महानगरपालिका संभवतः राज्य की पहली महानगरपालिका है। इन सेवा विनिमय में प्रशासनिक अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसमें सुरक्षा जमा और वित्तीय जवाबदेही, अवकाश नियम, सेवा अवधि, अनुशासन और विभागीय जांच प्रक्रिया, यात्रा भत्ता, भविष्य निधि व्यवस्था तथा आचार संहिता जैसे प्रावधान शामिल हैं। सभागृह नेता सागर नाईक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई अनुभवी कर्मचारी और अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे उनके अनुभव का लाभ शहर को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि महानगरपालिका में स्थानीय प्रशासन से एक भी उपायुक्त स्तर का अधिकारी नहीं है और प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है।

ठोक मानधन कर्मचारियों के लिए भी प्रस्ताव जल्द

सागर नाईक ने जानकारी दी कि वनमंत्री गणेश नाईक की भूमिका ठोक मानधन पद्धति पर कार्यरत कर्मचारियों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण रही है और उनके हित में भी जल्द प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भर्ती नियम, पात्रता और आकृतिबंध में भी सुधार किए जाएंगे। साथ ही नवी मुंबई के निवासियों को भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता देने की नीति अपनाने की योजना है।

सदन में भ्रष्टाचार पर घमासान

● महापौर रितु तावड़े और नगर विकास विभाग पर बरसे परब

नवी मुंबई एयरपोर्ट परियोजना में 496 करोड़ की रॉयल्टी घोटाले का आरोप

संबंधित वार्ड के अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना में जमीन उत्खनन और भूमि समतलीकरण के काम में बड़े राजस्व नुकसान का आरोप लगाया गया है। विधान परिषद में शिवसेना (उद्धव) के विधायक अनिल परब ने कहा कि इस काम से राज्य सरकार को 496 करोड़ 90 लाख रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हुआ है। परब ने आरोप लगाया कि उत्खनन कार्य कर रही भारती इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने जमीन खोदने के लिए पूरी रॉयल्टी राशि जमा नहीं की है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की। नियम 260 के तहत चर्चा करते हुए परब ने महानगरपालिकाओं, सिडको और एमएमआरडीए समेत कई विभागों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने नगर विकास विभाग पर भी बिना नाम लिए गंभीर आरोप लगाए।

महापौर के फैसले पर भी साधा निशाना

परब ने ऋतु तावडे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 130 अधिकारियों के तबादले को मंजूरी दी गई, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि इससे ऐसा लगता है कि महापौर मुख्यमंत्री के आदेशों को भी मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

मुंबई मनपा के वार्ड अधिकारियों पर दलाली का आरोप

परब ने कहा कि मुंबई महानगरपालिका के कुछ वार्ड अधिकारी दलाली कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) के लिए बनाए गए घरों को 35 से 60 लाख रुपए में बेचा जा रहा है। परब ने आरोप लगाया कि के-पूर्व अंधेरी वार्ड के अधिकारी नितीन शुक्ला, सहायक अभियंता भूषण राणे और उपअभियंता विशाल कोकाटे मिलकर गरीबों पर घर खाली करने का दबाव बनाते हैं और बाद में वही घर ऊंची कीमत पर बेच दिए जाते हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दवाइयों की कमी नहीं: हसन मुश्रीफ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में दवाइयों की कोई कमी नहीं है। इसलिए डॉक्टरों को मरीजों को बाहर से दवाई खरीदने के लिए चिट्ठी लिखने से मना किया गया है। यह जानकारी चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने गुरुवार को विधान परिषद में दी।

मंत्री मुश्रीफ ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी किए गए हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को बाहर से दवा खरीदने के लिए नहीं लिखेंगे, क्योंकि अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

प्रश्नकाल के दौरान राकांपा (अजित गुट) के विधायक अमोल मिटकरी ने अकोला के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मरीजों को दवाइयां नहीं मिलने तथा अस्पताल परिसर में अस्वच्छता को लेकर सवाल उठाया था।

सरकार अलग-अलग मद से देती है निधि

मंत्री मुश्रीफ ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में दवाइयों की खरीद के लिए सरकार चार अलग-अलग मद (हेड) से निधि उपलब्ध कराती है। इसके चलते दवाइयों की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त वित्तीय व्यवस्था की गई है।

राज्य में 52 आंगनवाड़ी सह शिशुगृह केंद्र शुरू

मिशन शक्ति के तहत 345 केंद्रों को मिली मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में केंद्र सरकार की 'मिशन शक्ति' योजना के तहत 345 आंगनवाड़ी सह शिशुगृह केंद्र शुरू करने को मंजूरी दी गई है। इनमें से फिलहाल राज्य में 52 केंद्रों का संचालन शुरू हो चुका है। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिति तटकरे ने विधान परिषद में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से अन्य केंद्र भी शुरू किए जाएंगे।

सेविकाओं का मानधन केंद्र सरकार तय करेगी

मंत्री ने बताया कि आंगनवाड़ी सह शिशुगृह केंद्रों में काम करने वाली सेविकाओं का मानधन केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार ही कर्मचारियों को भुगतान किया जाएगा। विधान परिषद में इस संबंध में निर्दलीय विधायक सत्यजीत तांबे और भाजपा विधायक परिणय फुके ने लिखित सवाल पूछकर जानकारी मांगी थी। सरकार ने जवाब में योजना की वर्तमान स्थिति और आगे की प्रक्रिया की जानकारी दी।

लोनार झील से पानी निकालने के लिए वन्यजीव विभाग से जल्द मंजूरी ली जाएगी: गणेश नाइक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने विधानसभा में घोषणा की है कि सरकार लोनार झील से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए वन्यजीव विभाग से तत्काल मंजूरी प्राप्त करेगी। अत्यधिक वर्षा के कारण झील के प्राकृतिक झरने सक्रिय हो गए हैं, जिससे जलस्तर 20 से 25 फीट तक बढ़ गया है। इस कारण झील के किनारे स्थित प्राचीन मंदिर जलमग्न हो गए हैं और श्रद्धालुओं का वहां पहुँचना असंभव हो गया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि शुक्रवार को होने वाली विशेष बैठक में वन्यजीव विभाग के साथ इस मुद्दे पर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे ताकि पंपिंग के जरिए पानी को बाहर निकाला जा सके। विधायक सिद्धार्थ खरात द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में सरकार ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए 434 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 168 करोड़ रुपए अब तक खर्च किए जा चुके हैं। हालांकि, झील से पानी निकालने के लिए स्वीकृत 41 लाख रुपए का काम वन्यजीव और पुरातत्व विभाग के बीच तालमेल की कमी के कारण अटका हुआ था।

पहली मंजिल के झोपड़ाधारकों का पुनर्वास संभव नहीं: शंभूराज देसाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना के तहत झुग्गियों की पहली मंजिल पर रहने वाले लोगों को घर देने का फिलहाल मौजूदा नियमों में कोई प्रावधान नहीं है। यह जानकारी राज्य के मंत्री शंभूराज देसाई ने विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान दी।

मंत्री देसाई ने कहा कि इस विषय में नियमों में बदलाव करने पर मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। सरकार इस मुद्दे पर सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विचार कर सकती है।

विधानसभा में इस मुद्दे को शिवसेना (उद्धव) के विधायक सुनील प्रभु, वरुण सरदेसाई और कांग्रेस विधायक असलम शेख सहित कई सदस्यों ने उठाया। सदस्यों ने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग झोपड़पट्टियों की ऊपरी मंजिलों पर भी रहते हैं, लेकिन उन्हें पुनर्वास योजना का लाभ नहीं मिल पाता।

मौजूदा नियमों में जमीन से सटे ढांचे को ही मान्यता

चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) की मौजूदा योजना के अनुसार केवल जमीन से सटे ढांचे को ही नंबर देकर एनेक्सचर-2 में शामिल किया जाता है।

मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने पर जोर

अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि यदि मुंबई को वास्तव में झोपड़पट्टी मुक्त बनाना है, तो निचली मंजिल के साथ-साथ ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोगों को भी पुनर्वास का लाभ देने पर विचार करना होगा। अन्यथा वे लोग कहीं और झुग्गी बनाकर रहने को मजबूर हो सकते हैं।

2011 से पहले के निवासियों को घर देने की मांग

चर्चा के दौरान यह भी मांग की गई कि जिन लोगों के पास वर्ष 2011 से पहले से वहां रहने के प्रमाण हैं, उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ दिया जाना चाहिए। मंत्री शंभूराज देसाई ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की संभावना पर विचार करेगी और मुख्यमंत्री तथा दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

बिहार से लाया गया था आईआईटी बॉम्बे छात्रावास में मिला जिंदा कारतूस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पवई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) के छात्रावास में एक विद्यार्थी के मित्र के बैग में मिला जिंदा कारतूस बिहार से लाया गया था। यह जानकारी राज्य के गृह राज्य मंत्री (शहर) योगेश कदम ने गुरुवार को विधान परिषद में दी। मंत्री कदम ने बताया कि छात्र के मित्र ने यह जिंदा कारतूस बिहार से लाया था। जिस व्यक्ति से कारतूस खरीदा गया था और जिस जगह से इसे लाया गया था, वहां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि कारतूस किस उद्देश्य से लाया गया था। विधान परिषद में कांग्रेस विधायक भाई जगताप ने 19 फरवरी को आईआईटी बॉम्बे के छात्रावास में जिंदा कारतूस मिलने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने सवाल किया कि वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के गैंग सक्रिय होने की चर्चा रही है, क्या आईआईटी बॉम्बे भी उसी तरह बन रहा है? इस पर मंत्री योगेश कदम ने कहा कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी के साथ उसका एक मित्र भी रह रहा था और दोनों बिहार के निवासी हैं। पुलिस ने इस मामले में सभी संबंधित स्थानों पर जाकर जांच की है और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

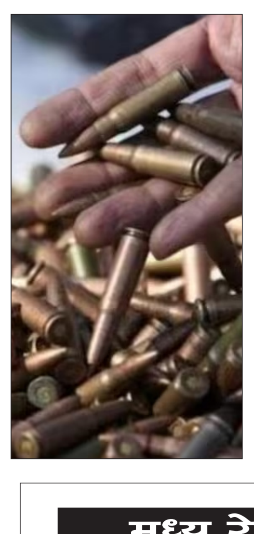

विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी का मुद्दा भी उठा

सदन में शिवसेना (उद्धव) के विधायक अनिल परब ने विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले की वास्तविक जानकारी सदन को देनी चाहिए, क्योंकि विधायकों की सुरक्षा का सवाल है। इस पर सभापति ने सरकार को निर्देश दिया कि सदन का कामकाज समाप्त होने से पहले इस मामले में बयान दिया जाए। हालांकि गुरुवार को सदन की कार्यवाही समाप्त होने तक सरकार की ओर से इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया गया।

मछली को लेकर हत्या

दो दोस्तों ने साथी को उतारा मौत के घाट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव इलाके में एक हैरान कर देने वाली हत्या का मामला सामने आया है। वनराई पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां कड़ाही में रखी मछली को लेकर हुए झगड़े में दो दोस्तों ने अपने ही साथी की बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार मृतक अफसर (35) अपने दो साथियों सुरेश और राजेश उर्फ नेपाली के साथ 23 फरवरी की सुबह मछली लेकर आया था। तीनों ने मिलकर मछली पकाने का फैसला किया। अफसर कड़ाही में मछली बना रहा था और साथ ही शराब भी पी रहा था, जबकि सुरेश और राजेश पास बैठकर शराब पी रहे थे। अधिक नशे के कारण अफसर कुछ देर बाद वहीं सो गया। इसी बीच कड़ाही में रखी मछली को चूहों ने खा लिया, जिससे कड़ाही खाली हो गई। जब सुरेश और राजेश खाने के लिए उठे तो उन्हें कड़ाही खाली मिली। दोनों को शक हुआ कि अफसर ने पूरी मछली अकेले ही खा ली और फिर सो गया। इसी शक ने गुस्से का रूप ले लिया।

पत्थर से सिर कुचलकर की हत्या

आरोप है कि गुस्से में दोनों आरोपियों ने पहले अफसर को लात-घूंसों से पीटा और फिर पत्थर से उसका सिर कुचल दिया। गंभीर चोट लगने से अफसर की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की जांच पुलिस के लिए आसान नहीं थी, क्योंकि मृतक और आरोपियों के पास न तो कोई पहचान पत्र था और न ही मोबाइल फोन। ऐसे में पुलिस के पास शुरुआती सुराग बेहद सीमित थे। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में करीब 200 कचरा बीनने वालों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मृतक की तस्वीर दिखाकर उसकी पहचान कराई गई और धीरे-धीरे मामले की कड़ियां जुड़ती गईं। जांच के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को कैथल से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी राजेश का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

पीपीपी मॉडल पर होगा एसटी की जमीनों का विकास

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य सरकार ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की अतिरिक्त और खाली पड़ी जमीनों का बेहतर उपयोग करने का बड़ा निर्णय लिया है। इस योजना के जरिए एसटी की आय बढ़ाने, यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी।

मंत्री सरनाईक ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के पास राज्यभर में बस डिपो और बस स्टैंड परिसरों में लगभग 1500 हेक्टेयर से अधिक जमीन उपलब्ध है। इसके अलावा करीब 482 स्थानों पर लगभग 2360 हेक्टेयर जमीन विकास के लिए चिन्हित की गई है। सरकार ने इन जमीनों का योजनाबद्ध विकास करने के लिए सरकारी-निजी भागीदारी यानी पीपीपी मॉडल के तहत निजी डेवलपर्स को देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत जमीनों का पुनर्विकास 98 वर्ष के लीज समझौते के आधार पर किया जाएगा।

परियोजना के पहले चरण में मुंबई, ठाणे और पुणे जैसे प्रमुख शहरों में एसटी की जमीनों का विकास किया जाएगा। इसके तहत बस स्टैंडों का आधुनिकीकरण, व्यावसायिक परिसर, कार्यालय भवन और यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

लीज अवधि बढ़ाकर 60 वर्ष

सरकार ने इस परियोजना के लिए लीज अवधि 30 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष करने का फैसला लिया है, जबकि व्यावसायिक विकास परियोजनाओं के लिए 49+49 वर्ष यानी कुल 98 वर्ष का प्रावधान रखा गया है। इससे निवेशकों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

72 परियोजनाओं के जरिए 216 स्थानों का विकास

पहले चरण में 72 परियोजनाओं के माध्यम से 216 स्थानों का विकास पीपीपी मॉडल पर किया जाएगा। इन परियोजनाओं के तहत बस स्टैंड और डिपो परिसरों में आधुनिक इमारतें, व्यावसायिक दुकानें और सेवा केंद्र बनाए जाएंगे।

एसटी को मिलेगा स्थाई आय का स्रोत

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस योजना से एसटी निगम को स्थायी आय का स्रोत मिलेगा। साथ ही यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं मिलेंगी और स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
पुनर्निमाण कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रं :** सोला/क.वि./नि/2026/04। **कार्य का नाम :** निम्नलिखित के संबंध मे विद्युत टीआरडी का कार्य, 1) मोहोल-वाडी खंड में 11 पुलों (स्लैबः 06, आरसीसी पाइपः 03, आर्च ब्रिजः 02) का पुनर्निमाण और 6 पुलों (आर्चः 05, वॉक्सः 01) का विस्तार, 2) कुलाली-वाडी खंड में पुल संख्या 552/1, 552/2, 557/3, 557/4 और 557/5 (कुल 1000*2=2000 मीटर) के पहुंच मार्गों के लिए टो वॉल म्यूरोम फिलिंग, बोल्डर पिचिंग और 2:1 ढलान द्वारा बैंक की सव-बैंक ड्रेसिंग तैयार करके कमजोर साइड स्लोप को मजबूत करना। 3) कुर्दुवाडी - लातूर खंड में सुरंग संख्या 2 के अंदर महत्वपूर्ण स्थानों पर पोर्टल, शॉटक्रेटिंग, रॉक वोल्टिंग आदि जैसे स्टेबलिंग और सपोर्टिंग कार्यों का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 45,19,663/-। **बयाना राशि :** ₹ 90,400/-। **कार्य पुरा करने की अवधि :** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय :** दि. 08.04.2026 को 15.00 बजे।
EXP-13
टिकट के लिए RailOne App डाउनलोड करे

मध्य रेल
भुसावल मंडल
निविदा सूचना सं. बीएसएल.एन.एसएनटी.40.2025-26 दिनांक 11.03.2026 (खुली ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजीटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई-निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** भुसावल मंडल में (1) माहेजी स्टेशन पर 753 मीटर CSR प्राप्त करने हेतु अप लूप लाइन के विस्तार के कार्य के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। (2) भुसावल मंडल में (TRR/CTR कार्य) के संबंध में विभिन्न सिग्नलिंग कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 2,58,47,026.04 (रुपये दो करोड़ अट्ठावन लाख शैंतालीस हजार छब्वीस और चार पैसे मात्र।), **बयाना राशी :** ₹ 2,79,200/-, **निविदा फार्म/बुकलेट की किमत :** नहीं, **कार्य पूरा करने का समय :** 12 माह एलओए देने के बाद, **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि :** 19.03.2026, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 02.04.2026 के 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने की तिथि और समयः** 02.04.2026 के 15.30 बजे (यदि संभव हो तो), **वेबसाइट का विवरण जहां से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते हे : www.ireps.gov.in**
डीआरएम(सी), भुसावल
रेलमदद हेल्पलाईन 139 EXP

मध्य रेल
विविध कार्य

कार्य का नाम : LTT कोचिंग डिपो में 2026-27 के वर्ष के लिए मानसून अवधि के दौरान आवश्यक स्थानों पर 150 दिनों की अवधि के लिए 20 संख्या डीजल डीवॉटरिंग स्लज पंपों को ऑपरेटर/मेकेनिक/वार्डन के साथ काम पर रखना। **अंदाजित मूल्यः** ₹ 35,10,000.00/- (रुपये पैंतीस लाख दस हजार मात्र)। **बयाना राशि जमा :** ₹ 70,200.00/- (रुपये सत्तर हजार दो सौ मात्र)। **कार्य समापन की तिथि :** 150 दिन। **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समय :** 02.04.2026 को 13.00 बजे तक। निविदाए केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारूप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017/दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। **खुली निविदा सूचना संख्याः BB.M.LTT.TC. 52.Dewatering dated 11.03.2026.**
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है
989

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विभाग : प्रमुख अभियंता (यांत्रिकी एवं विद्युत)
क्र. का.अ.यां.(द)/7516 / यां. व वि. दिनांक : 12 मार्च 2026
ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य के लिए इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा वितरण एवं विक्रय की तिथि व समय तथा निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय संबंधी विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महा टेंडर पोर्टल http://mahatender.gov.in पर निविदा अवलोकन अनुभाग में प्रकाशित/अपलोड की गई है।

क्र.सं.	निविदा क्रमांक	निविदा का विषय
1	2026_MCGM_1286231_1	मुरली देवरा महानगरपालिका नेत्र अस्पताल में ऑडियो-विजुअल सिस्टम तथा विभिन्न अस्पताल सुविधाओं की व्यवस्था करना।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक निविदाकार बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट **http://portal.mcgm.gov.in** तथा महा टेंडर वेबसाइट **http://mahatender.gov.in** पर अवश्य देखें।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी) – दक्षिण
पीआरओ/3280/विज्ञा./2025-26
हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

मुफ्त जमीं, महंगा इलाज

कभी चिकित्सा के पेशे को भगवान के दूसरे रूप में मानवता की सेवा का पर्याय माना जाता था। लेकिन आज मुनाफे की चांदी बटोरने की होड़ वाले अग्रणी पेशों में चिकित्सा व्यवसाय की गिनती होने लगी है। धन बटोरने की अंधी हवस में मानवता के तार-तार होने की इस व्यवसाय से जुड़ी खबरें आये दिन सुर्खियां बटोरती रहती हैं। यूं तो आज पैसे की अंतहीन भूख उन तमाम पेशों में नजर आती है जो सेवा-परोपकार व मनुष्यता के कल्याण में अग्रदूत माने जाते रहे हैं। लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जो इंसानियत के रखवाले माने जाते रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पूछना पड़ा कि दिल्ली में जिन 51 अस्पतालों को रियायती जमीन दी गई थी और उन्होंने कुछ प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करने का वायदा किया था, वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीतिगत फैसला लिया था, जिसके अंतर्गत दिल्ली में गरीब लोगों के लिये निजी अस्पतालों में एक सीमा तक मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि अस्पताल निजी हों या सरकारी, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ही बने होते हैं। इसी के मद्देनजर कई निजी अस्पतालों के निर्माण हेतु रियायती दर पर सरकार भूखंड उपलब्ध कराती है। जिसके चलते निजी अस्पतालों के कुछ दायित्व भी होते हैं। जिसमें निर्धन मरीजों के उपचार हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना होता है। यही वजह थी कि साल 2018 में भी, देश की शीर्ष अदालत ने रियायती जमीन हासिल करने वाले अस्पतालों को नसीहत दी थी कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरताने वालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने को कहा था। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चेताने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं दूसरी ओर इस बाबत निगरानी करने वाले सरकारी विभाग भी आंख मूंद कर बैठे रहते हैं।

इस गंभीर मुद्दे की बार-बार अनदेखी किए जाने से खिन्न देश की शीर्ष अदालत ने हाल ही में दिल्ली में रियायती दामों में प्लॉट लेने वाले 51 हॉस्पिटलों को नोटिस भेजकर अपना दायित्व न निभाने वालों को इसकी वजह बताने को कहा गया है। कोर्ट ने चेताया है कि अस्पताल के मालिकों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए! यह विडंबना है कि केंद्र व दिल्ली सरकार इस गंभीर मामले में उदासीन नजर आती हैं। विसंगति देखिए कि जिस दायित्व का निर्वहन सरकारों को करना चाहिए था, उस पर देश के सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। जो हमारे तंत्र की काहिली को ही उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले में इस बात का प्रावधान था कि रियायती कीमत पर जमीन पाने वाले अस्पतालों को आंतरिक रोगी विभाग में न्यूनतम दस प्रतिशत और ओपीडी में पच्चीस प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करना होगा। जिससे जुड़ी जवाबदेही पूरी करने को शीर्ष अदालत ने 2018 में भी चेताया था। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यही वजह है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने इन अस्पतालों को नोटिस भिजवाए हैं। साथ ही अवज्ञा करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इन निजी अस्पतालों में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके, पहली जवाबदेही सरकार की बनती है। यदि सरकार की नियामक एजेंसियां सख्ती दिखाती तो क्या मजाल थी कि निजी अस्पताल अपने वायदे से मुकर जाते। बाकायदा, ऐसे मामलों में उदासीनता दिखाने वाले सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए और लापरवाही दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। निस्संदेह, इन हालातों के चलते ही आम जनता का तंत्र से भरोसा उठता है। यदि सरकारी तंत्र निगरानी व जवाबदेही तय करने में चुस्ती दिखाता तो कई गरीब मरीजों का जीवन बचाया जा सकता था। आज जीवन रक्षा से जुड़ी चिकित्सा सुविधाएं इतनी महंगी हो चुकी हैं कि हर साल लाखों लोग खर्चीले इलाज कराने के चलते गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं।

शख्सियत | नाना फड़नवीस

योद्धा और राजनीतिज्ञ

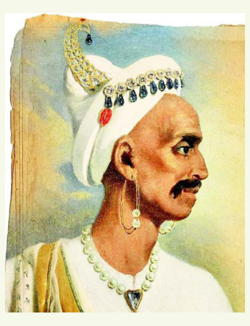

भारतीय इतिहास के पन्नों में नाना फड़नवीस का नाम एक ऐसे योद्धा और राजनीतिज्ञ के रूप में दर्ज है, जिन्होंने तलवार से ज्यादा अपनी बुद्धि और कूटनीति के बल पर मराठा साम्राज्य की रक्षा की। 13 मार्च 1742 को जन्मे जनार्दन भानु (नाना फड़नवीस) ने उस कठिन समय में मराठा संघ को बिखरने से बचाया, जब पानीपत के तीसरे युद्ध के बाद साम्राज्य गहरे संकट में था। उन्हें अक्सर ₹मराठा मैकियावेली₹ कहा जाता है क्योंकि उनकी राजनीतिक सूझबूझ का लोहा अंग्रेज भी मानते थे।

नाना फड़नवीस का जन्म सतारा में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका बचपन पेशवा परिवार के सान्निध्य में बीता, जिससे उन्हें शासन कला को करीब से देखने का अवसर मिला। 1761 में पानीपत के तीसरे युद्ध के दौरान वे स्वयं वहां मौजूद थे। मराठों की उस विनाशकारी हार और अपनों को खोने के दुख ने नाना को भीतर से झकझोर दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इस संकट ने उनके भीतर एक दृढ संकल्प पैदा किया कि वे मराठा शक्ति को पुनर्जीवित करेंगे।

पानीपत के बाद जब मराठा दरबार आंतरिक कलह और षड्यंत्रों का केंद्र बन गया था, तब नाना फड़नवीस एक सुरक्षा कवच बनकर उभरे। माधवराव पेशवा की असामयिक मृत्यु के बाद जब रघुनाथराव (राघोबा) ने सत्ता के लालच में अंग्रेजों से हाथ मिला लिया, तब नाना ने 'बारहभाई परिषद' का गठन किया। यह 12 अनुभवी मंत्रियों का एक समूह था, जिसने अल्पायु सवाई माधवराव को पेशवा की गद्दी पर बैठाया और शासन की बागडोर संभाली।

उनकी कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध में देखने को मिली। उन्होंने न केवल मराठा सरदारों को एकजुट किया, बल्कि हैदराबाद के निजाम और मैसूर के हैदर अली के साथ मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध एक महासंघ बनाया। उनकी योजनाएं इतनी सटीक होती थीं कि अंग्रेजों के पास उनकी चालों का कोई जवाब होता । नाना फड़नवीस केवल एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक कुशल प्रशासक भी थे। उन्होंने मराठा साम्राज्य की कर प्रणाली, लेखा-जोखा और सैन्य प्रबंधन में कई महत्वपूर्ण सुधार किए। वे जानते थे कि किसी भी साम्राज्य की शक्ति उसकी आर्थिक स्थिति और आंतरिक अनुशासन में निहित होती है। उनके समय में पुणे (पुण्यपट्टन) कला, संस्कृति और राजनीति का मुख्य केंद्र बन गया था।

उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण यह था कि वे भांप गए थे कि अंग्रेज व्यापार के बहाने भारत को गुलाम बनाना चाहते हैं। उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि भारतीय शक्तियों को आपस में लड़ने के बजाय विदेशी ताकतों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। नाना का जीवन सादगी और अनुशासन का उदाहरण था। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठकर हमेशा 'स्वराज्य' के हित को सर्वोपरि रखा। उनके बारे में कहा जाता था कि ₹उनकी बुद्धि के बिना पेशवा की गद्दी अधूरी है।₹ 17 मार्च 1800 को जब उनका निधन हुआ, तब एक अंग्रेज रेजिडेंट ने कहा था कि ₹नाना के साथ ही मराठा सरकार का सारा ज्ञान और संयम भी चला गया।नाना फड़नवीस का जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और बुद्धिमत्ता से बड़े से बड़े संकट को टाला जा सकता है।

ईरान-इजरायल संघर्ष और वैश्विक अस्थिरता का नया दौर

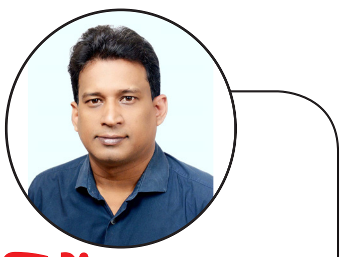

जितेंद्र यादव
युवा पत्रकार, अंधेरी में निवास

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मोर्चे पर महाशक्तियों की भूमिका इस संकट को और अधिक पेचीदा बना रही है। अमेरिका जहां एक ओर इजरायल को सैन्य और सामरिक कवच प्रदान कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह इसे एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकने के लिए दबाव भी बना रहा है। दूसरी तरफ, रूस और चीन की स्थिति ईरान के प्रति सहानुभूतिपूर्ण बनी हुई है, जो वैश्विक शक्ति संतुलन को दो स्पष्ट ध्रुवों में बांट रही है।

मार्च 2026 के इस दौर में मध्य पूर्व एक ऐसे बारूद के ढेर पर बैठा है, जिसकी चिंगारी पूरे विश्व को अपनी लपेट में लेने की क्षमता रखती है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता सीधा सैन्य टकराव अब केवल सीमावर्ती झड़प तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक पूर्ण विकसित क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले चुका है। ईरान द्वारा रखी गई युद्ध विराम की शर्तें—जिसमें उसके 'कानूनी अधिकारों' की बहाली, युद्ध के नुकसान का हर्जाना और भविष्य के हमलों के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा गारंटी शामिल है—यह दर्शाती हैं कि कूटनीतिक रास्ते लगभग बंद हो चुके हैं। विश्लेषकों का मानना है कि ये मांगें इजरायल और उसके पश्चिमी सहयोगियों के लिए स्वीकार करना लगभग असंभव है, क्योंकि वे इसे ईरान की क्षेत्रीय विस्तारवादी नीतियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं को वैधता देने के रूप में देखते हैं। परिणामस्वरुप, कूटनीति की मेज पर सन्नाटा है और युद्ध के मैदान में मिसाइलों की गूँज बढ़ती जा रही है। इस संघर्ष का सबसे भयावह पहलू 'होर्मुज जलडमरूमध्य' (Strait of Hormuz) और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाला इसका सीधा असर है। ईरान द्वारा इस सामरिक समुद्री मार्ग को बाधित करने की धमकियों ने वैश्विक तेल बाजारों में खलबली मचा दी है। चूंकि दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल इसी संकीर्ण मार्ग से होकर गुजरता है, इसलिए यहाँ किसी भी प्रकार का सैन्य अवरोध कच्चे तेल की कीमतों को $150 प्रति बैरल के पार ले जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की चेतावनी है कि यदि यह आपूर्ति श्रृंखला टूटती है, तो विकसित और विकासशील दोनों देशों में मुद्रास्फीति (Inflation) अनियंत्रित हो जाएगी, जिससे वैश्विक मंदी का खतरा और गहरा जाएगा। ऊर्जा संकट केवल कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह परिवहन, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र की लागत में भारी वृद्धि कर आम जनता की कमर तोड़ देगा। सैन्य दृष्टिकोण से देखें तो यह युद्ध अब 'प्रॉक्सी वॉर' के दायरे से बाहर निकलकर

'डायरेक्ट कन्फ्रंटेशन' में बदल गया है। इजरायल की उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और सटीक मिसाइल तकनीक ने ईरान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया है। वहीं दूसरी ओर, ईरान ने अपनी विशाल मिसाइल और ड्रोन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए इजरायली शहरों के जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने की कोशिश की है। रक्षा विशेषज्ञों का विश्लेषण है कि इजरायल का लक्ष्य केवल आत्मरक्षा नहीं, बल्कि ईरान की उस सैन्य रीढ़ को तोड़ना है जो दशकों से लेबनान, यमन और सीरिया में उसके हितों को चुनौती देती रही है। हालांकि, ईरान की भौगोलिक गहराई और उसके सशस्त्र समूहों के जाल को देखते हुए, इजरायल के लिए एक पूर्ण और त्वरित सैन्य जीत हासिल करना अत्यंत जटिल और जोखिम भरा कार्य साबित हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मोर्चे पर महाशक्तियों की भूमिका इस संकट को और अधिक पेचीदा बना रही है। अमेरिका जहां एक ओर इजरायल को सैन्य और सामरिक कवच प्रदान कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह इसे एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकने के लिए दबाव भी बना रहा है। दूसरी तरफ, रूस और चीन की स्थिति ईरान के प्रति सहानुभूतिपूर्ण बनी हुई है, जो वैश्विक शक्ति संतुलन को दो स्पष्ट ध्रुवों में बांट रही है। यह ध्रुवीकरण संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को पंगु बना रहा है, जहां वीटो पावर के इस्तेमाल के कारण कोई ठोस शांति प्रस्ताव पारित नहीं हो पा रहा है। विश्लेषकों का तर्क है कि यदि यह 'कोल्ड वॉर' जैसी स्थिति और गहरी होती है, तो मध्य पूर्व का यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की भूमिका तैयार कर सकता है, जिसमें साइबर हमलों और हाइब्रिड वॉरफेयर का व्यापक स्तर पर उपयोग होगा।

भारत जैसे देशों के लिए यह संघर्ष दोहरी चुनौती पेश कर रहा है। एक तरफ भारत के इजरायल के साथ गहरे रक्षा और तकनीकी संबंध हैं, तो दूसरी तरफ ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और मध्य एशिया तक पहुंच के रणनीतिक हित जुड़े हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों में रहने वाले लाखों भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा और वहां से आने वाले प्रेषण (Remittances) पर इस युद्ध का सीधा प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय रणनीतिकार इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि युद्ध लंबे समय तक खिंचता है, तो भारत के व्यापारिक मार्ग बाधित होंगे और घरेलू बाजार में ईंधन की कीमतें बढ़ने से विकास दर प्रभावित होगी। भारत की विदेश नीति वर्तमान में 'संतुलन' के कठिन दौर से गुजर रही है, जहां उसे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति बहाली के लिए वैश्विक मंचों पर अपनी आवाज मुखर करनी पड़ रही है।

निष्कर्षतः, ईरान और इजरायल का यह वर्तमान संकट किसी एक पक्ष की हार या जीत का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी मानवता और वैश्विक स्थिरता के लिए एक अग्निपरीक्षा है। यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने समय रहते इन शर्तों और सैन्य कार्रवाइयों के बीच एक व्यावहारिक 'मध्य मार्ग' नहीं निकाला, तो इसके परिणाम आने वाली कई पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। तकनीक और घातक हथियारों के इस युग में युद्ध की कीमत केवल विजेता और विजित ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया चुकाती है। आने वाले हफ्तों में कूटनीतिक सक्रियता या सैन्य हठधर्मिता यह तय करेगी कि क्या दुनिया एक और विनाशकारी महायुद्ध की ओर बढ़ेगी या फिर संवाद के माध्यम से शांति का कोई नया द्वार खुलेगा। वर्तमान में, अनिश्चितता ही एकमात्र सच्चाई है और शांति की उम्मीदें केवल कूटनीतिक चमत्कारों पर टिकी हुई हैं।

हमारी गीता

वर्ण एक आदर्श समाज व्यवस्था

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय में अर्जुन का विषाद केवल मोह नहीं, बल्कि कुल और संस्कृति के प्रति उसकी गहरी चिंता का प्रतिबिंब है। एक सत्शील और आदर्श गुणों से युक्त योद्धा होने के नाते अर्जुन युद्ध के दुष्परिणामों को देख पा रहा है। उसे भय है कि कुल के नाश से पारिवारिक अनुशासन और एकता समाप्त हो जाएगी, जिसका अंतिम परिणाम 'वर्णसंकर' होगा। यद्यपि उस क्षण अर्जुन यह नहीं समझ पा रहा था कि अधर्म के विरुद्ध युद्ध न करना ही असली कुलक्षय है, किंतु उसकी वर्ण को लेकर चिंता अत्यंत गूढ़ और वैज्ञानिक है। आज के सुशिक्षित समाज में वर्ण शब्द का अर्थ अक्सर संकुचित और विकृत रूप में लिया जाता है, जिसके कारण इसकी निंदा होती है। वास्तव में, धर्म कभी भी निंदनीय भेदभाव का समर्थन नहीं करता और भगवान श्रीकृष्ण ने जिस वर्ण व्यवस्था की नींव रखी, वह जन्म पर नहीं बल्कि गुण और कर्म पर आधारित थी। समाज व्यक्तियों से बनता है और जितने व्यक्ति, उतनी प्रकृति के सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक मनुष्य का स्वभाव, बौद्धिक क्षमता और अभिरुचि भिन्न होती है। समाज के सुचारु संचालन के लिए व्यक्तियों के बल और बुद्धि के नियोजनपूर्वक किए गए विभाग ही वर्ण हैं। इसे हम एक शरीर के उदाहरण से समझ

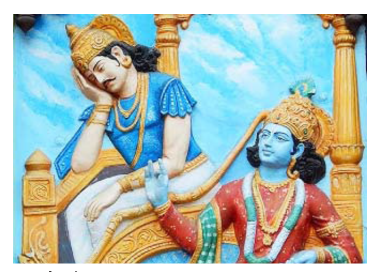

सकते हैं, जहाँ मस्तक ब्राह्मण (बुद्धिजीवी और शोधकर्ता), भुजाएं क्षत्रिय (नेतृत्व और सुरक्षा), उदर वैश्य (कृषि, व्यापार और आर्थिक समृद्धि) और पैर शूद्र (सेवा और श्रम) के प्रतीक हैं। जैसे शरीर के पूर्ण अस्तित्व के लिए चारों अंग अनिवार्य हैं, वैसे ही समाज पुरुष के सर्वांगीण विकास के लिए ये चारों विभाग आवश्यक हैं। यह किसी को छोटा या बड़ा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि समाज निर्माण और उसे विकसित करने के लिए किया गया एक वर्गीकरण है। वर्णसंकर का वास्तविक अर्थ व्यवस्था में दोष या मिलावट का होना है। इसे आज के संदर्भ में देखें तो यदि कोई इंजीनियर अस्पताल में ऑपरेशन करने लगे या कोई डॉक्टर वकालत करने लगे, तो वह समाज के लिए घातक होगा। गलत व्यक्ति को अयोग्य कार्य सौंपना ही वर्णसंकर है, जिससे व्यवस्था टूट पड़ती है।

जीवन ऊर्जा

अल्बर्ट आइंस्टीन : जन्म - 13 मार्च 1879 | जन्म

अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म 13 मार्च 1879 को जर्मनी के उल्म नगर में हुआ। वे विश्व के महान भौतिक वैज्ञानिक थे। उन्होंने सापेक्षता सिद्धांत देकर विज्ञान की दिशा बदल दी। 1921 में उन्हें भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। उनके विचारों ने आधुनिक विज्ञान को नई राह दी। 18 अप्रैल 1955 को अमेरिका में उनका निधन हुआ।

बुद्धि का सच्चा संकेत ज्ञान नहीं कल्पना है

कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। जिज्ञासा कभी मत खोइए। जीवन साइकिल चलाने जैसा है संतुलन बनाए रखने के लिए चलते रहना पड़ता है। गलती न करने वाला व्यक्ति नया प्रयास नहीं करता। कठिनाइयों में अवसर छिपे होते हैं। शांति बल से नहीं समझ से आती है। शिक्षा वह है जो स्कूल के बाद भी साथ रहे। सफलता का नहीं मूल्यवान बनने का प्रयास करो। प्रश्न पूछना बुद्धिमानी है। अनुभव ही ज्ञान का असली स्रोत है। सरलता ही प्रतिभा की पहचान है। समस्या उसी सोच से हल नहीं होती जिससे वह बनी। समय सापेक्ष है। प्रकृति में गहराई से देखो

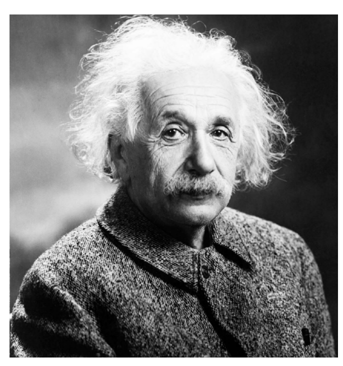

सब समझ में आएगा। कल्पना भविष्य की झलक है। जिज्ञासा मन को जीवित रखती है। तर्क आपको एक स्थान तक ले जाएगा कल्पना हर जगह। बुद्धि का सच्चा संकेत ज्ञान नहीं कल्पना है। जीवन मेंउद्देश्य जरूरी है। जो सही है वह हमेशा लोकप्रिय नहीं होता। सच्ची शिक्षा सोचने की क्षमता देती है। खुशी साधारण चीजों में मिलती है। हर व्यक्ति प्रतिभाशाली है। अवसर कठिनाइयों के बीच मिलते हैं। सीखना कभी बंद मत करो। महानता विनम्रता में होती है। शांति मानवता का लक्ष्य है। मनुष्य को मानवता नहीं भूलनी चाहिए। दुनिया खतरनाक बुरे लोगों से नहीं बल्कि चुप रहने वालों से होती है। नैतिकता मानव जीवन का आधार है। विचार दुनिया बदल सकते हैं। विज्ञान और मानवता साथ चलें। जिज्ञासा ज्ञान का बीज है। भविष्य आज के विचारों से बनता है। सोच की स्वतंत्रता ही प्रगति की राह है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

श्रेष्ठ जीवन का आधार: सत्य, प्रसन्नता और हृदय की पवित्रता

मानव जीवन की वास्तविक श्रेष्ठता भौतिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नैतिक मूल्यों और आंतरिक दृढ़ता में निहित होती है। असत्य का आश्रय लेने वाला व्यक्ति संसार की दृष्टि में सफल प्रतीत हो सकता है, परंतु वह जीवन के वास्तविक आनंद से सदैव वंचित रहता है। असत्य व्यक्ति के आत्मबल को भीतर से खोखला और कमजोर बना देता है, क्योंकि झूठ को छिपाने का निरंतर भय उसे असुरक्षित रखता है। सत्य का मार्ग कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन इसी मार्ग पर चलकर व्यक्ति एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का

निर्माण कर सकता है। जो लोग अपनी जिम्मेदारियों से बचते हैं, वे ही सबसे अधिक असत्य का सहारा लेते हैं, अतः सत्य को अपनाना ही श्रेष्ठ जीवन की पहली सीढ़ी है। सफलता का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ कर्म के प्रति हमारा दृष्टिकोण है। उदासीन या बोझिल मन से किए गए किसी भी कार्य में कभी भी पूर्णता और कुशलता नहीं आ सकती। जब कर्म केवल एक दायित्व बन जाता है, तो उसमें रचनात्मकता का अभाव हो जाता है। इसलिए, यह अनिवार्य है कि हम अपने प्रत्येक कार्य को प्रसन्नता और उत्साह के साथ संपन्न करें। चेहरे पर बनी रहने वाली स्वाभाविक प्रसन्नता न केवल हमारे व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है, बल्कि यह हमारे भीतर की सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करती है। प्रसन्न मन से किया गया छोटा सा कार्य भी समाज पर गहरा और दूरगामी प्रभाव छोड़ता है।

हृदय की पवित्रता को यदि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि कहा जाए, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। निष्कपट, निर्दोष और निर्वैर भाव ही हृदय की वास्तविक शुद्धि के परिचायक हैं। जब हृदय में किसी के प्रति छल-कपट, ईर्ष्या या द्वेष की भावना नहीं होती, तब मनुष्य एक असीम शांति का अनुभव करता है। आज के युग में जहाँ लोग बाहरी दिखावे को महत्व देते हैं, वहाँ एक पवित्र हृदय का होना दुर्लभ और वंदनीय है। पवित्र हृदय से निकले विचार और किए गए कार्य स्वतः ही कल्याणकारी हो जाते हैं, क्योंकि उनमें स्वार्थ के स्थान पर सर्वहित की भावना सर्वोपरि होती है।

निष्कर्षतः, एक सुखी और श्रेष्ठ जीवन की त्रिवेणी—जिह्वा में सत्यता, चेहरे पर प्रसन्नता और हृदय में पवित्रता—में ही समाहित है। ये तीन तत्व मिलकर मनुष्य को उस आंतरिक शक्ति से भर देते हैं, जो उसे बड़ी से बड़ी बाधाओं का सामना करने के योग्य बनाती है। सत्य हमें साहस देता है, प्रसन्नता हमें ऊर्जा प्रदान करती है और पवित्रता हमें ईश्वर के निकट ले जाती है। अतः हमें निरंतर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारा आचरण इन मूल्यों के अनुरूप हो, ताकि हमारा जीवन स्वयं के लिए संतोषजनक और दूसरों के लिए अनुकरणीय बन सके।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

असम कांग्रेस में एक ही हिंदू नेता था जो किसी राजनीतिक वंश का नहीं था।भूपेन बोरा का इस्तीफा एक प्रतीकात्मक संदेश है कि कांग्रेस ने अपना आखिरी हिंदू नेता खो दिया है. आज उस नेता ने भी कांग्रेस से पदत्याग कर दिया है। आज की कांग्रेस हिंदुओं के हित में नहीं है।

हेमंता विस्वा सरमा
सीएम, असम

पिनराई बहुत समझदार आदमी हैं,वह मुझे नहीं चाहेंगे।अगर मैं पिनराई विजयन होता तो भी खुद को नहीं लेना चाहता। सोनिया गांधी ने खुद मुझे लूज़ कैनन बताया है। क्या आप सोच सकते हैं कि उस पार्टी की हालत क्या होगी जो केसी वेणुगोपाल जैसे गुंडे को सरदार पटेल और राहुल गांधी के लेवल तक ले जाती है?

मणिशंकर अय्यर
वरिष्ठ नेता, कांग्रेस

सीएम योगी अपने लोगों से पूछ लें कि उन्होंने वंदे मातरम् कब गाया था । 'इन्होंने वंदे मातरम् आजादी के पहले गाया था, मुख्यमंत्री बिष्ट जी अपने लोगों से तो पूछ लें कि उनके अनरजिस्टर्ड संघी साथियों ने कब वंदे मातरम् गाया था, जब वो मुखबिरी में व्यस्त थे।

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

वंदे मातरम् देश के आन, बान और शान का प्रतीक है।समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्य 'वंदे मातरम्' का अपमान कर रहे हैं, जो संविधान और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का भी अपमान है। सपा राम मंदिर और काशी विश्वनाथ जैसे मुद्दों का विरोध करती रही है।

योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

'इंडिया करुणा कोलैबोरेटिव' की शुरुआत

मुंबई। भारत में फार्मिंग और पशुपालन क्षेत्र में छिपी पशु क्रूरता और इसके प्रभाव को सामने लाने के लिए 'इंडिया करुणा कोलैबोरेटिव (IKC)' की शुरुआत की गई। यह राष्ट्रीय मंच पहली बार पशु कल्याण को जलवायु, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक विकास के एजेंडा में शामिल करने का उद्देश्य रखता है। 50 से अधिक संगठनों और 70 से अधिक नेताओं ने इस पहल में भागीदारी की, ताकि भारत में उत्पादन, उपभोग और नवाचार की प्रक्रियाओं में संवेदनशील और नैतिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा सके। लॉन्च के अवसर पर जारी किए गए पोजिशन पेपर "आपसी संकट: भारत में पशु कल्याण, मानव स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन" ने यह स्पष्ट किया कि भारत की खाद्य प्रणालियाँ पशुओं की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करती आई हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2026 के अनुसार, 70% प्रतिभागी मानते हैं कि फार्मिंग में इस्तेमाल होने वाले पशु संवेदनशील प्राणी हैं और अधिकांश उपभोक्ता ऐसे उत्पादों के लिए अधिक कीमत देने को तैयार हैं जिनमें उच्च पशु कल्याण मानक अपनाए गए हों। लॉन्च का समापन "एक स्वास्थ्य, एक ग्रह, एक अर्थव्यवस्था — और एक अनदेखा पहलू" पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसमें डॉ. हेमलता आर, अमला अक्किनेनी, गौरी मौलेखी और संजीव मेहता ने भाग लिया।

उल्हासनगर मनपा की अभय योजना, करदाताओं को ब्याज में 100% की छूट

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका की महापौर अश्विनी कमलेश निकम की पहल और मनपा प्रशासन की मंजूरी के बाद शहरवासियों के लिए अभय योजना की शुरुआत की गई है। यह विशेष योजना 13 मार्च से 16 मार्च तक केवल चार दिनों के लिए लागू रहेगी, जिसके तहत संपत्ति कर (Property Tax) के बकायेदारों को अपनी बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर लगने वाले ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। महापौर ने मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले से राजस्व बढ़ाने और नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से इस योजना को शुरू करने का अनुरोध किया था, जिसका समर्थन विधायक कुमार ऐलानी और अन्य वरिष्ठ नगरसेवकों ने भी किया है।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों को राहत

मध्य रेलवे चलाएगा 1484 समर स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गर्मी की छुट्टियों में अपने गांव या अन्य स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत देने के लिए मध्य रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। समर वेकेशन के दौरान विशेष रूप से मुंबई और पुणे से उत्तर भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 1484 समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है।

749 आरक्षित और 735 अनारक्षित ट्रेनें

मध्य रेलवे ने प्रवासी यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों की संख्या भी बढ़ाने का फैसला किया है। घोषित 1484 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों में 749 आरक्षित और 735 अनारक्षित ट्रेनें शामिल हैं। इनमें पहले से ऑन-डिमांड चल रही सेवाओं के साथ कुछ अतिरिक्त विशेष ट्रेनें भी शामिल की गई हैं।

राज्य के भीतर भी चलेंगी कई ट्रेनें

महाराष्ट्र के भीतर भी यात्रियों की सुविधा के लिए कई समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें मुंबई/दौंड-सोलापुर, पुणे-कोल्हापुर, नासिक रोड-बडनेरा और हडपसर-हरंगुल मार्ग पर विशेष ट्रेन सेवाएं शामिल हैं।

उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनें पहले से फुल

उल्लेखनीय है कि मुंबई और पुणे से उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर जाने वाली अधिकांश नियमित ट्रेनें पहले ही फुल हो चुकी हैं। अप्रैल और मई महीने के लिए कई ट्रेनों में 'नो रूम' की स्थिति बनी हुई है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि मध्य रेलवे के साथ-साथ पश्चिमी रेलवे भी जल्द ही समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा कर सकता है, जिससे यात्रियों को और राहत मिल सके।

महाराष्ट्र से बाहर जाने वाली विशेष सेवाएं

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला के अनुसार महाराष्ट्र से बाहर जाने वाली विशेष ट्रेनों में मुंबई-बलिया, मुंबई-गोरखपुर, दौंड-कलबुर्गी और सोलापुर-कलबुर्गी/अनकापल्ले के बीच चलने वाली सेवाएं शामिल हैं।

यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं

इन विशेष ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सुविधा होगी। यात्रियों के आराम को ध्यान में रखते हुए मध्य रेलवे ने अपने नेटवर्क में यात्री सुविधाओं को भी बढ़ाया है और कई अतिरिक्त व्यवस्थाएं लागू की हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इन समर स्पेशल ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी, जिससे यात्रियों को टिकट बुकिंग और यात्रा योजना बनाने में आसानी होगी।

ठाणे जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान तेज

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए मुफ्त वैक्सीन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों में सर्वाइकल कैंसर को बेहद खतरनाक माना जाता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। समय पर वैक्सीनेशन कराने से इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से ठाणे जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता अभियान तेज किया गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की पहल पर स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 14 वर्ष की लड़कियों (15 वर्ष पूर्ण नहीं) को सरकारी अस्पतालों में यह वैक्सीन मुफ्त दी जा रही है। इस पहल से बड़ी संख्या में छात्राओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध सुविधा

स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक डॉ. अशोक नंदापुरकर के मार्गदर्शन में ठाणे जिले के जिला सरकारी अस्पताल, उपजिला अस्पताल, ग्रामीण अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मनपा अस्पतालों में यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर परघे ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों को समय पर एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाएं, ताकि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव हो सके। कुछ साल पहले तक एचपीवी वैक्सीन बाजार में काफी महंगी थी, जिसके कारण कई परिवार इसे वहन नहीं कर पाते थे।

ईरान-इज़राइल-अमेरिका तनाव का साइड इफ़ेक्ट

कल्याण में गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, छात्र भी परेशान

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी और आपूर्ति में कमी के कारण महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में नागरिकों को गैस लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। कल्याण के कई गैस गोदामों के बाहर सुबह से ही लोगों की भीड़ देखी जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर की कमी के कारण नागरिकों को तेज धूप में घंटों इंतजार कर सिलेंडर लेना पड़ रहा है। इस समय 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, लेकिन घर में गैस खत्म होने के कारण छात्रों को भी सिलेंडर लेने के लिए कतार में लगना पड़ रहा है। इससे उनकी पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है।

छात्र ने बताई अपनी परेशानी

एक छात्र जयनील जैन ने बताया कि उसका अगले दिन दसवीं का पेपर है, लेकिन गैस सिलेंडर लेने के लिए उसे लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। उसने कहा कि इस कारण वह पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहा है और सरकार को इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण होटल संचालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर होटल संचालकों को कारोबार बंद रखने की स्थिति तक आ गई है।

कल्याण में कांग्रेस का प्रदर्शन

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में कल्याण जिला कांग्रेस ने तहसीलदार कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई के मुद्दे को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चूल्हा जलाकर उस पर रोटी बनाते हुए अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। नेताओं का कहना था कि बढ़ती गैस कीमतों के कारण आम लोगों को अब दोबारा चूल्हे पर खाना बनाने की नौबत आ रही है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस सिलेंडर की कीमतें कम नहीं की गईं और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन करते हुए चक्का जाम किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे का गैर-किराया राजस्व दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देशों के अनुरूप भारतीय रेल के गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) को बढ़ाने के लिए पश्चिम रेलवे ने बड़ा लक्ष्य तय किया है। पश्चिम रेलवे ने गैर-किराया स्रोतों से होने वाली आय में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए नई रणनीतियों पर काम शुरू किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक तरुण जैन ने इस विषय पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधकों के साथ एक उच्चस्तरीय विचार-मंथन बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गैर-किराया राजस्व बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तरुण जैन ने कहा कि रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लाउंज और मिनी मॉल जैसी पहलों की सफलता यह दर्शाती है कि यात्री अब आधुनिक और तकनीक आधारित सुविधाओं की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

फरवरी 2026 तक 117 करोड़ की आय

चालू वित्तीय वर्ष में फरवरी 2026 तक पश्चिम रेलवे ने गैर-किराया राजस्व के रूप में 117 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। इस उपलब्धि के साथ पश्चिम रेलवे देश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले जोनों में शामिल हो गया है।

2026-27 के लिए 239 करोड़ का लक्ष्य

भारतीय रेल द्वारा गैर-किराया आय को 750 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 239 .24 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कलबुर्गी–बेंगलुरु वंदे भारत के दो साल पूरे

डीबीडी संवाददाता | कलबुर्गी

कलबुर्गी–सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस ने 12 मार्च 2026 को अपनी सेवा के दो वर्ष पूरे कर लिए। आधुनिक रेल कनेक्टिविटी और यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस ट्रेन ने अब तक 5.72 लाख से अधिक यात्रियों को सफर कराया है। ट्रेन की औसत ऑक्यूपेंसी 103.52 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो इसकी लोकप्रियता को दर्शाती है। इस हाईस्पीड सेवा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया था। इसका उद्देश्य कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के प्रमुख शहर कलबुर्गी के बीच तेज और विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना था।

5.72 लाख से अधिक यात्रियों ने किया सफर

यात्रा समय में हुई बड़ी कमी

ट्रेन संख्या 22231/22232 कलबुर्गी–एसएमवीटी बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस 561 किलोमीटर की दूरी लगभग आठ घंटे में तय करती है, जबकि पारंपरिक सुपरफास्ट ट्रेनों को इस दूरी को तय करने में 10 से 12 घंटे लगते हैं। इस प्रकार यात्रियों के करीब दो से चार घंटे तक की बचत होती है। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलती है और यादगीर, रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंटकल, अनंतपुर, साई पी निलयम और येलहंका में ठहराव करती है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रेन

इस सेवा से कलबुर्गी, यादगीर और रायचूर जैसे शहरों की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। साथ ही मंत्रालयम और पुट्टपर्थी जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंच भी आसान हुई है, जिससे तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इसके अलावा व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन में कुल 452 सीटें हैं, जिनमें 400 चेयर कार और 52 एग्जीक्यूटिव चेयर कार सीटें शामिल हैं। आधुनिक सुविधाओं और तेज रफ्तार के कारण यह ट्रेन बिजनेस यात्रियों, छात्रों और पेशेवरों के बीच काफी लोकप्रिय बन चुकी है।

टोरेंट पावर का 'गिव टू गेन' अभियान

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर टोरेंट पावर लिमिटेड की महिला कर्मचारियों ने "गिव टू गेन" थीम के तहत एक विशेष सामुदायिक सेवा अभियान आयोजित किया। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों ने समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम के तहत महिला कर्मचारियों ने विभिन्न वृद्धाश्रमों और एक बालिका आश्रम का दौरा कर वहां रहने वाले लोगों के साथ समय बिताया। इस दौरान उन्होंने आश्रम के निवासियों को अपनत्व और आत्मीयता का एहसास कराया। इस अभियान के अंतर्गत आंगांव स्थित वनप्रस्थी आश्रम, खडवली के मातोश्री वृद्धाश्रम, उल्हासनगर के स्वामी शांति प्रकाश वृद्धाश्रम, ठाणे के उपवन ओल्ड एज होम, खिडकाली के श्री साईधाम वृद्धाश्रम तथा आंगांव के बालिकाश्रम में जाकर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'गिव टू गेन' की भावना को किया साकार

दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों ने वरिष्ठ नागरिकों और बालिकाओं के साथ संवाद, खेल, संगीत और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों से आश्रमों में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। इस पहल के माध्यम से महिला कर्मचारियों ने अपना समय, स्नेह और साथ देकर आश्रम के निवासियों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। बदले में उन्हें बुजुर्गों का आशीर्वाद और उनके जीवन अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। यह कार्यक्रम महिला कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास और सशक्तिकरण के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। आयोजन की योजना, समन्वय और नेतृत्व में सक्रिय भागीदारी के जरिए प्रतिभागियों को अपनी संगठनात्मक और संवाद कौशल को मजबूत करने का अवसर मिला।

वाघमारे का मनपा में किया गया सत्कार

ठाणे। राज्यसभा सांसद का पदभार ग्रहण करने के बाद ज्योति वाघमारे ने पहली बार ठाणे महानगरपालिका (TMC) का दौरा किया, जहाँ महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने उनका गर्मजोशी से स्वागत और सत्कार किया। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान सांसद वाघमारे ने शहर की विकास परियोजनाओं और विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की समीक्षा की। इस अवसर पर संदीप मालवी (अतिरिक्त आयुक्त), मनीष जोशी (उपायुक्त) और शिवसेना प्रवक्ता राहुल लोंढे सहित कई वरिष्ठ नगरसेवक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। वाघमारे ने भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए ठाणे के सर्वांगीण विकास के लिए मनपा प्रशासन को अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नए मित्र बनेंगे। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बन सकती है।

कर्क दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ बढ़ेगा।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रशंसा प्राप्त होगी।

तुला पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय भावना में बहकर न करें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। आय बनी रहेगी।

वृश्चिक कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन सहायता प्राप्त होगी। धन प्राप्ति में बाधाएं दूर होंगी।

मकर चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में कमी हो सकती है।

कुंभ भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

भक्ति, मंत्र और साधना से जाग्रत होती है बुद्धि और स्मरण शक्ति

प्रियंका जैन
97699 94439

भारतीय संस्कृति में शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि इसे आत्मविकास और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी कहा गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों और परंपराओं में विद्या को देवी सरस्वती का स्वरूप माना गया है और यह विश्वास किया जाता है कि जब विद्यार्थी श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति के साथ अध्ययन करता है तो उसके जीवन में ज्ञान का प्रकाश स्वतः ही फैलने लगता है। आज के समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है और विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव भी अधिक हो गया है। कई बार बच्चे मेहनत तो बहुत करते हैं, लेकिन फिर भी उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता या वे सीखी हुई बातों को जल्दी भूल जाते हैं। ऐसे में हमारे धर्म और ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे आध्यात्मिक उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर विद्यार्थी अपनी एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है। यह उपाय केवल अंधविश्वास नहीं बल्कि श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से मन को स्थिर और एकाग्र बनाने का एक तरीका भी हैं।

विद्यार्थी जब भी पढ़ाई के लिए बैठे तो सबसे पहले अपनी कलम को माथे से लगाकर प्रणाम करना चाहिए। यह एक छोटा सा लेकिन अत्यंत प्रभावशाली आध्यात्मिक अभ्यास माना जाता है। इसके बाद अपनी पाठ्य पुस्तकों के सामने हाथ जोड़कर "ॐ गुरवे नमः" मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। गुरु को ज्ञान का स्रोत माना गया है और यह मंत्र गुरु के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है। जब विद्यार्थी इस मंत्र का जप करके पढ़ाई शुरू करता है तो उसके मन में सम्मान, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि इस क्रिया को हर दिन नियमित रूप से किया जाए, तो धीरे-धीरे विद्यार्थी का मन पढ़ाई में अधिक लगने लगता है और ज्ञान को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ने लगती है।

ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि और शिक्षा का कारक माना गया है। इसलिए पढ़ाई में सफलता पाने के लिए बृहस्पति की कृपा प्राप्त करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए गुरु पुष्य नक्षत्र के समय तांबे का गुरु यंत्र घर में लाना लाभकारी माना जाता है। इस यंत्र को घर लाकर पहले गंगाजल से शुद्ध करना चाहिए और फिर पीले कपड़े में लपेटकर पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए। इसके बाद प्रतिदिन श्रद्धा के साथ बृहस्पति कवच का पाठ करने से ज्ञान और बुद्धि में वृद्धि होती है और विद्यार्थी को अध्ययन में सफलता मिलने लगती है। यह उपाय मन को स्थिर और सकारात्मक बनाने में भी सहायक माना जाता है।

कुछ सरल दान-पुण्य के कार्य भी पढ़ाई में सफलता दिलाने में सहायक माने गए हैं। मंगलवार के दिन केला, मीठी रोटी, चना और गुड़ बंदरों को खिलाना भी एक ऐसा ही उपाय माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार बंदर भगवान हनुमान के प्रिय माने जाते हैं। जब श्रद्धा के साथ यह दान किया जाता है तो भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जी को बल, बुद्धि और विद्या का दाता माना गया है। इसलिए उनकी कृपा से विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास और साहस का विकास होता है।

ज्योतिष में मंगल ग्रह को साहस और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। यदि विद्यार्थी का मन पढ़ाई में स्थिर नहीं रहता या उसे बार-बार डर और घबराहट होती है, तो मूंगा धारण करना लाभकारी माना जाता है। लगभग पाँच रत्ती का मूंगा लेकर उसका लॉकेट बनवाकर विद्यार्थी को धारण कराया जा सकता है।

नोएडा की मीटर फैक्टरी में भीषण आग, आग बुझाने में लगाई गईं दो दर्जन गाड़ियां

30 कर्मचारी झुलसे, 17 ICU में भर्ती

▶▶ घटना के दौरान 250 कर्मचारी फैक्टरी में थे मौजूद

▶▶ फायर कर्मियों को घंटों करनी पड़ी मशक्कत

एजेंसी । नोएडा

नोएडा के सेक्टर-4 स्थित बिजली मीटर निर्माण करने वाली एक फैक्टरी में गुरुवार तड़के आग लगने से अफरातफरी मच गई। हादसे में 30 से अधिक कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से 17 को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग की करीब दो दर्जन गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

धुएं के कारण ज्यादातर हुए बेहोश

घायलों में रंजीत, पंकज, दिलीप यादव, राजेश कुमार, सागर कुमार झा, दीपू, जीतू, नीरज, प्रदीप, प्रवीण, आलोक, सुखबीर, उमेश, अजीत, शिवनंदन, अमरजीत, मोहम्मद आलम, मुन्ना कुमार और पलाश सरकार समेत 30 से अधिक लोग शामिल हैं। इनमें से अधिकांश धुएं के कारण बेहोश हो गए थे, जिन्हें आईसीयू में निगरानी में रखा गया है।

भोर में अज्ञात कारणों से लगी आग

जानकारी के अनुसार थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-4 स्थित फैक्टरी में सुबह लगभग 5:30 बजे अचानक आग लग गई। उस समय फैक्टरी में करीब 250 कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगने के बाद परिसर में तेजी से धुआं फैल गया, जिससे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। धुएं की चपेट में आने और भगदड़ के कारण कई लोग घायल हो गए।

जिला अस्पताल भेजे गए झुलसे कर्मी

अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल कर्मचारियों को तत्काल बचाव दल की मदद से बाहर निकालकर नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आग लगने के कारणों की जांच जारी

पुलिस के अनुसार घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बीच, थाना फेस-2 क्षेत्र में स्थित एक अन्य कंपनी में भी गुरुवार सुबह आग लगने की घटना सामने आई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग को समय रहते बुझा दिया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

2005 से पहले बिहार में सक्रिय था अपहरण उद्योग : सम्राट चौधरी

एजेंसी । पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले राज्य में अपहरण की घटनाएं बड़े पैमाने पर होती थीं और कई आपराधिक गिरोह सक्रिय थे। उन्होंने दावा किया कि उस समय पूर्णिया और सीमांचल क्षेत्र अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन गया था, जहां से वारदात के बाद वे अन्य राज्यों या पड़ोसी देशों की ओर निकल जाते थे। उपमुख्यमंत्री ने यह बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ चल रही "समृद्धि यात्रा" के दौरान पूर्णिया के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 2005 में एनडीए सरकार बनने के बाद सुशासन की नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और कानून व्यवस्था को मजबूत किया गया।

1.4 लाख किमी सड़कें बनवाई गईं

उन्होंने कहा कि पहले राज्य में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति काफी कमजोर थी। गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव था, जिसके कारण लोगों को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि उस समय राज्य में करीब छह हजार किलोमीटर सड़कें थीं, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में लगभग 1.40 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण कराया गया है।

हजार से लाख करोड़ में पहुंचा बजट

उपमुख्यमंत्री के अनुसार बिहार का बजट भी पिछले वर्षों में काफी बढ़ा है। पहले जहां राज्य का बजट करीब छह हजार करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बिजली क्षेत्र में भी सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2005 से पहले राज्य में लगभग 17 लाख बिजली उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर करीब 2.16 करोड़ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कई उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों का बिजली बिल शून्य आ रहा है। साथ ही पूर्णिया में हवाई अड्डा बनने और खगड़िया–पूर्णिया फोरलेन सड़क व पूर्णिया–पटना एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। कटिहार के प्राणपुर में आयोजित एक अन्य जनसभा में सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले पटना से कटिहार की यात्रा में करीब दस घंटे लगते थे, जबकि अब सड़क संपर्क बेहतर होने से यह दूरी चार से पांच घंटे में पूरी हो रही है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नरगिस को स्वर्ण

कुश्ती प्रतियोगिता में मीरजापुर मंडल का बढ़ाया गौरव

एजेंसी । मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले की छात्रा नरगिस ने 36वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर जिले और मीरजापुर मंडल का मान बढ़ाया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने उसे बधाई दी है। यह प्रतियोगिता 9 से 11 मार्च तक अयोध्या स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा मैदान में आयोजित हुई। जूनियर वर्ग के 54 से 58 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में जमालपुर क्षेत्र के कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओड़ी की कक्षा आठ की छात्रा नरगिस ने शानदार प्रदर्शन किया।

कानपुर मंडल की खिलाड़ी को दी शिकस्त

प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में नरगिस ने वाराणसी मंडल की खिलाड़ी को पराजित किया। दूसरे दौर में उसे वॉकओवर मिला, जिसके बाद उसने फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में नरगिस ने कानपुर मंडल की पहलवान को पटखनी देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नरगिस की इस सफलता पर उसके पिता रोशन अली और माता राबिया बेगम को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने भी छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सूरज कुमार ने जीता रजत पदक

इसी प्रतियोगिता में बालक वर्ग के जूनियर 32 से 35 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती में कंपोजिट विद्यालय गोरखपुर माफी के छात्र सूरज कुमार ने रजत पदक हासिल किया। वहीं 4×100 मीटर बालिका रिले दौड़ में कंपोजिट विद्यालय वियरही की छात्रा खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों पर खंड शिक्षा अधिकारी देवमणि पांडेय सहित कई शिक्षकों और अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

29 गैस सिलिंडर, 176 बोतल संदिग्ध रसायन बरामद

▶▶ औरैया में अवैध गैस भंडारण का खुलासा

▶▶ पुलिस व प्रशासन ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

एजेंसी । औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में रिहायशी इलाके में संचालित अवैध गैस गोदाम का पर्दाफाश हुआ है। छापेमारी के दौरान मौके से 29 गैस सिलिंडर और 176 बोतल तेजाब सहित कई संदिग्ध रसायन बरामद किए गए। मामले में गोदाम संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के जैतापुर गांव में गुरुवार सुबह पुलिस, तहसील प्रशासन और जिला पूर्ति विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से एक मकान पर छापा मारा। कार्रवाई का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह, कोतवाल राजकुमार सिंह और तहसीलदार प्रकाश चौधरी ने किया।

19 सिलिंडर खाली, 10 भरे मिले

छापेमारी के दौरान मकान के अंदर बड़ी मात्रा में गैस सिलिंडर और रसायन भंडारित पाए गए। प्रारंभिक जांच में 19 खाली सिलिंडर अवैध रिफिलिंग के लिए रखे मिले, जबकि 10 भरे हुए सिलिंडर भी बरामद किए गए। आशंका जताई जा रही है कि इन सिलिंडरों की आपूर्ति अधिक दाम पर कालाबाजारी के उद्देश्य से की जानी थी।

वैध कनेक्शन की शुरु हुई जांच

इसके अलावा पुलिस ने मौके से 176 बोतल तेजाब और अन्य रसायन भी बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार भी मौके पर पहुंचे और बरामद सिलिंडरों के वैध कनेक्शनों की जांच शुरू कर दी गई है।

मकान में किया गया था भंडारण

पुलिस के मुताबिक यह अवैध भंडारण जैतापुर निवासी शिवम कुमार पुत्र श्रवण कुमार के मकान में किया जा रहा था। शिवम कुमार स्थानीय दर्शन इंडियन गैस एजेंसी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत बताया गया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जांच के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रायबरेली में प्रतापगढ़ के दो छात्रों की मौत

▶▶ बेकाबू ट्रक ने मारी टक्कर, एक छात्रा गंभीर

एजेंसी । रायबरेली

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में कोचिंग से घर लौट रहे दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल छात्रा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सलोन कोतवाली क्षेत्र में रायबरेली–प्रतापगढ़ राजमार्ग पर करहिया टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पास से गुजर रही साइकिल सवार एक छात्रा भी हादसे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई।

उदयपुर के निवासी थे दोनों छात्र

अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रतापगढ़ जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र के खुदा बख्श का पुरवा गांव निवासी महफूज खान (20) पुत्र मोहम्मद खान तथा रेहुआ निवासी मोहम्मद आलम (18) पुत्र मोहम्मद अशरफ के रूप में हुई है। घायल छात्रा साक्षी (18) मटियारा अगई थाना लालगंज अझारा, जनपद प्रतापगढ़ की निवासी है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्रा को इलाज के लिए प्रतापगढ़ के अस्पताल भेजा गया। वहीं दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद भाग रहे ट्रक को प्रतापगढ़ पुलिस ने पकड़ लिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार जगत

लगातार दूसरे दिन लुढ़का बाजार, 1.75 लाख करोड़ घटी संपत्ति

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांक BSE Sensex और Nifty 50 कमजोर स्तर पर बंद हुए। बाजार में आई गिरावट के कारण निवेशकों की कुल संपत्ति में करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये की कमी आंकी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स करीब 1.08 प्रतिशत गिरकर 76,034 अंक के आसपास बंद हुआ, जबकि निफ्टी लगभग 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,639 अंक के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी और दिनभर बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान जारी रही। दिग्गज शेयरों में Coal India, NTPC, Power Grid Corporation of India, Jio Financial Services और Adani Enterprises बढ़त के साथ बंद होने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे। वहीं Mahindra & Mahindra, Eicher Motors, Maruti Suzuki, Bajaj Finance और UltraTech Cement में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स 1.08 प्रतिशत और निफ्टी में 1.95 प्रतिशत की कमजोरी

4400 से अधिक शेयर्स में हुआ कारोबार

बाजार में आई गिरावट का असर निवेशकों की संपत्ति पर भी पड़ा। Bombay Stock Exchange में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर लगभग 440.15 लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह करीब 441.90 लाख करोड़ रुपये था। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,400 से अधिक शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें से करीब 1,700 शेयर बढ़त के साथ और 2,500 से अधिक शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

आटोमोबाइल, एमएमसीजी में भारी बिकवाली

क्षेत्रीय सूचकांकों में ऑटोमोबाइल, रियल्टी और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। इसके अलावा बैंकिंग, फार्मा, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर भी दबाव में रहे। दूसरी ओर एनर्जी, सार्वजनिक उपक्रम, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और मेटल सेक्टर के कुछ शेयरों में खरीदारी देखी गई। ब्रॉडर मार्केट में भी कमजोरी का रुख रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स करीब 0.37 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स लगभग 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर मुंबई पहुंचा टैंकर

सऊदी अरब से आई 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चे तेल की खेप

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर एक बड़ा तेल टैंकर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया है। जहाज लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आया है। हालिया क्षेत्रीय संघर्ष के बीच स्ट्रेट आफ होर्मुज से होकर भारत पहुंचने वाले प्रमुख टैंकरों में यह पहला माना जा रहा है। मुंबई पोर्ट अथारिटी के डिप्टी कंजर्वेटर प्रवीन सिंह के अनुसार लाइबेरिया ध्वज वाला 'शेनलॉन्ग' नामक सुएजमैक्स श्रेणी का टैंकर बुधवार दोपहर करीब एक बजे Mumbai Port पर पहुंचा। जहाज से कच्चा तेल उतारने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिसे पूरा होने में लगभग 36 घंटे लगने का अनुमान है। उतारे जाने के बाद यह कच्चा तेल मुंबई के महुल क्षेत्र स्थित रिफाइनरी को भेजा जाएगा, जहां इसे प्रोसेस कर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

समुद्री मार्गों पर निर्भर है भारत की सप्लाई

ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर समुद्री मार्गों पर निर्भर है। देश में आयात होने वाले कच्चे तेल और गैस का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्ते से ही आता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ी हैं और यह 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं। ऐसे में भारत के लिए सुरक्षित आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एक मार्च को सऊदी से हुआ था रवाना

भारतीय कप्तान सुक्षांत सिंह संधू के नेतृत्व में यह टैंकर 1 मार्च को सऊदी अरब के Ras Tanura Port से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था और 8 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर अरब सागर के रास्ते भारत की ओर बढ़ा। जहाज पर कुल 29 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। यह टैंकर शेनलॉन्ग शिपिंग लिमिटेड का है, जबकि इसका संचालन एथेंस स्थित डायनाकॉम टैंकर मैनेजमेंट कंपनी करती है।

फरवरी में 3.21% हुई खुदरा महंगाई

▶▶ जनवरी के मुकाबले 0.47 फीसद की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। देश में खुदरा महंगाई दर फरवरी 2026 में बढ़कर 3.21 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो जनवरी में 2.74 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह आंकड़े 2024 को आधार वर्ष मानकर तैयार की गई नई श्रृंखला पर आधारित हैं। Ministry of Statistics and Programme Implementation के तहत National Statistical Office द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार महंगाई दर में बढ़ोतरी मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.37 प्रतिशत रही, जबकि जनवरी में यह 2.73 प्रतिशत थी। वहीं शहरी क्षेत्रों में फरवरी के दौरान महंगाई दर 3.02 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछले महीने 2.75 प्रतिशत थी।

खुदरा महंगाई निर्धारित लक्ष्य के दायरे में

खाद्य महंगाई दर फरवरी में 3.47 प्रतिशत दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 3.46 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 3.48 प्रतिशत रही। विशेषज्ञों के अनुसार सब्जियों, मांस, मछली और अंडों जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही है। हालांकि कुल खुदरा महंगाई दर अभी भी Reserve Bank of India द्वारा निर्धारित 2 से 6 प्रतिशत के लक्ष्य दायरे के भीतर बनी हुई है।

जीएसपी क्रॉप साइंसः 16 मार्च को खुलेगा 400 करोड़ का IPO

नई दिल्ली। अहमदाबाद स्थित कृषि रसायन कंपनी GSP Crop Science Limited का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को निवेश के लिए खुलेगा। निवेशक इसमें 18 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयरों का सूचीकरण 24 मार्च को Bombay Stock Exchange और National Stock Exchange of India पर प्रस्तावित है। कंपनी के अनुसार आईपीओ के लिए प्रति शेयर 304 से 320 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 13 मार्च को खोली जाएगी। यह निर्गम कुल 400 करोड़ रुपये का होगा, जिसमें 240 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 160 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से बेचे जाएंगे।

एक लॉट में रखे गए हैं 46 शेयर

निवेशकों के लिए न्यूनतम एक लॉट में आवेदन करना अनिवार्य होगा। एक लॉट में 46 शेयर रखे गए हैं, जिसके लिए न्यूनतम निवेश करीब 14,720 रुपये होगा। कंपनी ने बताया कि नए शेयरों के माध्यम से जुटाई जाने वाली राशि में से लगभग 170 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। GSP Crop Science Limited को कृषि रसायन क्षेत्र में करीब चार दशक का अनुभव है और यह कीटनाशक, शाकनाशी, कवकनाशी तथा पौध वृद्धि नियामकों के विकास और निर्माण के क्षेत्र में कार्य करती है।

शुभमन गिल को मिलेगा 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' सम्मान

राहुल द्रविड़ को भी बीसीसीआई करेगा

एजेंसी । मुंबई

भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की ओर से 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' सम्मान मिलेगा। उनके साथ-साथ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा जाएगा। 15 मार्च को नई दिल्ली में BCCI की तरफ से एनुअल अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन होना है!

आयुष म्हात्रे को मिलेगा ये सम्मान

खबरों के मुताबिक, द्रविड़ और गिल के अलावा मुंबई के आयुष म्हात्रे को उनके प्रदर्शन के लिए घरेलू लिमिटेड ओवर क्रिकेट में बेस्ट ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ-साथ BCCI भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज को लाइफटाइम अवॉर्ड देने पर भी विचार कर रहा है। इस बीच, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

2025 में ऐसा रहा था गिल का प्रदर्शन

साल 2025 में गिल ने भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट मैच खेले और इसकी 16 पारियों में 70.21 की उम्दा औसत के साथ 983 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 5 शतक और 1 अर्धशतक निकला। पिछले साल 11 वनडे पारियों में उन्होंने 49 की औसत से 490 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल थे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 15 पारियों में 24.25 की खराब औसत के साथ सिर्फ 291 रन बनाए थे।

बतौर खिलाड़ी और कोच सफल रहा द्रविड़ का करियर

द्रविड़ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में रनों का अम्बार लगाया था। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 13,288 रन और वनडे करियर में 10,889 रन बनाए थे। संन्यास लेने के बाद द्रविड़ को 2021 में रवि शास्त्री की जगह पर सीनियर भारतीय टीम का प्रमुख कोच बनाया गया था। उनके कोचिंग कार्यकाल में भारतीय टीम वनडे विश्व कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया से हारकर उपविजेता रही थी। इसके बाद 2024 में खेले गए टी-20 विश्व कप में विजेता बनी थी। इसके साथ-साथ 12 टेस्ट में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ उनके 699 रन दर्ज हैं।

बेमिसाल रहा है मिताली का अंतरराष्ट्रीय करियर

पूर्व महान बल्लेबाज मिताली का अंतरराष्ट्रीय करियर बेमिसाल रहा था। भारत के लिए 232 वनडे मैचों में 50.68 की औसत से 7,805 रन बनाए थे। इस बीच 125* रन के उच्च स्कोर के साथ उनके नाम 7 शतक और 64 अर्धशतक दर्ज हैं।

मन्नेपल्ली स्विस ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी । बासेल

भारतीय शटलर थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। दुनिया के 43वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली बुधवार की रात खेले गए मुकाबले में तब 16-21, 21-16, 7-2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोटो ने कंधे में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया। पिछले साल मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ थाईलैंड की विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से एकतरफा मुकाबले में 11-21, 15-21 से हार गईं। थाईलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ यह उनकी चौथी हार है।

जोकोविच को उलटफेर का शिकार बनाकर ड्रेपर क्वार्टर फाइनल में

ब्रिटिश खिलाड़ी जैक ने नोवाक को हराकर करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की, अब मेदवेदेव से होगी टक्कर

एजेंसी । इंडियन वेल्स

मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने बुधवार देर रात अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक कोर्ट से बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को पहला सेट गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 4-6, 6-4, 7-6 से हराकर लगातार दूसरी बार इंडियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन के 24 वर्षीय ड्रेपर तीसरे सेट में जोकोविच से 5-6 से पीछे थे। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया और फिर बाजी अपने नाम की। दोनों की यह पांच साल में पहली जबकि कुल दूसरी टक्कर थी। इससे पहले 2021 में विम्बलडन में जोकोविच ने ड्रेपर को पराजित किया था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हार गए थे। ड्रेपर का सामना अब रूस के दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया।

"मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।"

\- जैक ड्रेपर

अल्काराज भी आगे बढ़े

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नार्वे के कैस्पर रूड को एक घंटे 31 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 7-6 से पराजित किया। इस जीत से वह 23 साल से पहले लगातार पांच बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उनका सामना अक ब्रिटेन के कैमरन नॉरी से होगा। अल्काराज की यह इस सत्र की लगातार 15वीं जीत है।

भांबरी पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में

भारत के युकी भांबरी ने पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में का टिकट कटाया। उन्होंने स्वीडन के अपने जोड़ीदार गोरान गोरानसन के साथ मिलकर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके इंडियन वेल्स ओपन के अंतिम चार में जगह बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। भांबरी और गोरानसन ने ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावस्सौरी को एक घंटे 30 मिनट में 6-3, 7-6 से हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत के सामने इटली की चुनौती

हैदराबाद। विश्व कप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजर अब एफआईएच विश्व कप क्वालिफायर का खिताब जीतने पर है। इस लक्ष्य की दिशा में टीम का पहला बड़ा कदम शुक्रवार को इटली के खिलाफ होने वाला सेमीफाइनल होगा। भारतीय टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी और जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाना चाहेगी। भारतीय महिला टीम पूल बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष स्थान पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे, लेकिन बेहतर गोल औसत के कारण भारत पहले स्थान पर रहा जबकि स्कॉटलैंड दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ने पूल चरण में दो मुकाबले जीते और एक मैच ड्रॉ खेला। इटली की टीम पूल ए में दूसरे स्थान पर रही। उसने तीन मैचों में एक जीत दर्ज की, एक मुकाबला ड्रॉ खेला और एक मैच गंवाया। सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ उतरने वाली इटली की टीम भी कड़ी चुनौती देने की क्षमता रखती है।

कोच मारिन ने जताया जीत का भरोसा

भारतीय टीम के कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि विश्व कप में जगह बनाना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम यहां सिर्फ क्वालिफाई करने नहीं आई है, बल्कि टूर्नामेंट जीतने का लक्ष्य लेकर उतरी है। उनके अनुसार सेमीफाइनल एक बड़ी चुनौती है और टीम पूरी रणनीति और फोकस के साथ मैदान में उतरेगी। भारत और इटली के बीच 2012 से अब तक सात मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने पांच मैच जीते हैं जबकि इटली को एक जीत मिली है और एक मैच ड्रॉ रहा है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय टीम तीन मैचों में 10 गोल कर चुकी है, जबकि उसके खिलाफ सिर्फ तीन गोल हुए हैं।

आईसीसी ने तीन लोगों को किया अस्थायी निलंबित

बिम10 टूर्नामेंट में भ्रष्टाचार का है मामला

एजेंसी । ब्रिजटाउन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बारबाडोस में खेले गए 2023-24 बिम10 टूर्नामेंट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स, टाइटंस टीम के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

आईसीसी ने तीनों को 11 मार्च 2026 से 14 दिनों के भीतर आरोपों पर जवाब देने का समय दिया है। बिम10 टूर्नामेंट 10-10 ओवर की पारियों वाला प्रतियोगिता है।

मैच फिक्सिंग समेत कई गंभीर आरोप

आईसीसी और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपनी-अपनी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत तीनों के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपों में मैच फिक्सिंग, खिलाड़ियों को भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाना और भ्रष्टाचार-रोधी अधिकारियों को संदिग्ध संपर्कों की जानकारी नहीं देना शामिल है। इन आरोपों को क्रिकेट में भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर उल्लंघन माना जाता है, जिसकी जांच जारी है।

वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम का कर चुके हैं प्रतिनिधित्व

जावोन सर्ल्स वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और कैरेबियाई प्रीमियर लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए भी खेल चुके हैं। इसके अलावा वह 2018 में आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत सर्ल्स पर चार अलग-अलग आरोप लगाए गए हैं, जिनकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का आखिरी जत्था स्वदेश रवाना

एजेंसी । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को बताया कि टी-20 विश्व कप के बाद भारत में फंसे दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का आखिरी जत्था भी अपने-अपने देशों के लिए रवाना हो गया है। पिछले 24 घंटों में दक्षिण अफ्रीका की टीम के शेष 29 सदस्य और वेस्टइंडीज की टीम के अंतिम 16 सदस्य स्वदेश लौट गए। इसके साथ ही चुनौतीपूर्ण वैश्विक यात्रा परिस्थितियों के बीच चला जटिल अभियान समाप्त हो गया है।

खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष से बिगड़ा था कार्यक्रम

खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्रा व्यवस्था प्रभावित हो गई थी। इसका असर टी-20 विश्व कप खेलने भारत आई टीमों पर भी पड़ा और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाड़ी कोलकाता में फंस गए थे।

बॉलीवुड

'द ब्लफ' दुनियाभर में बनी नंबर 1

प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें दुनियाभर के दर्शकों का बेशुमार प्यार क्यों मिलता है। उनकी हालिया रिलीज हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' ने स्ट्रीमिंग की दुनिया में झंडे गाड़ दिए हैं। समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिलने के बावजूद अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होते ही ये फिल्म दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली स्ट्रीमिंग ओरिजिनल फिल्म बन गई है। फिल्म ग्लोबल चार्ट्स पर टॉप पर बनी हुई है।

प्रियंका ने 'द ब्लफ' में 'ब्लडी मैरी' का एक बेहद उग्र और साहसी अवतार अपनाया है। हालांकि, फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन स्ट्रीमिंग की रेस में इसने बाजी मार ली है।

'द ब्लफ' दुनियाभर के OTT प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल फिल्म बनकर उभरी है। फिल्म ने 'स्ट्रीमिंग ओरिजिनल्सः फिल्म' चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ये डेटा 27 फरवरी से 5 मार्च, 2026 के बीच की अवधि का है। प्रियंका की इस जीत से उनके प्रशंसक सातवें आसमान पर हैं।

'द ब्लफ' की कहानी कैरिबियन द्वीप के एक खूबसूरत कस्बे में रहने वाली एर्सेल बोर्डन (प्रियंका) के इर्द-गिर्द घूमती है। एर्सेल एक साधारण मछुआरिन की तरह अपने बेटे और ननद के साथ शांति से जीवन बिता रही है, लेकिन ये शांति तब भंग हो जाती है, जब उसके पति, नाविक टीएच बोर्डन (इस्माइल क्रूज कोर्डोवा) को कॉनर (कार्ल अर्बन) नाम का एक क्रूर समुद्री डाकू बंदी बना लेता है।

रणबीर कपूर ने 'रामायण 2' के लिए कसी कमर

रणबीर कपूर के फैंस बेहद उत्साहित हैं क्योंकि वह अपने चहेते अभिनेता को पहली बार पौराणिक फिल्म का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनते हुए देखेंगे। 'रामायण' महाकाव्य, जिसे नितेश तिवारी बना रहे हैं; उसकी पहली किस्त दिवाली, 2026 पर रिलीज हो रही है। रणबीर ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के किरदार को पर्दे पर जीवंत करने की जिम्मेदारी उठाई है। उन्होंने पहली किस्त को पिछले साल पूरा कर लिया था और अब दूसरी किस्त के लिए खुद को तैयार कर लिया है। रणबीर ने 'रामायण' की दूसरी किस्त के लिए मुंबई में शूटिंग शुरू कर दी है। परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दूसरे अध्याय पर काम शुरू हो चुका है, जो माता सीता के अपहरण के बाद की कहानी पर आधारित होगा। सनी देओल इसका हिस्सा बनने के लिए इस हफ्ते शूटिंग में शामिल होंगे। बता दें, अभिनेता 'रामायण' में भगवान हनुमान के किरदार को निभा रहे हैं। सूत्र ने आगे कहा, ₹शूटिंग का कार्यक्रम करीब 2 महीने का है जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस और ड्रामा शामिल है। कहानी भगवान राम की लंका की यात्रा की ओर बढ़ेगी। निर्माताओं ने इसके लिए भव्य सेट का निर्माण करा लिया है। भगवान राम और हनुमान के साथ में कई दृश्य होंगे जिसके लिए रणबीर और सनी शूटिंग करेंगे।₹ दूसरी किस्त को दिवाली, 2027 पर रिलीज किया जाएगा। महाकाव्य में साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, लारा दत्ता जैसे सितारे मौजूद हैं।

'आरी आरी' हुआ जारी

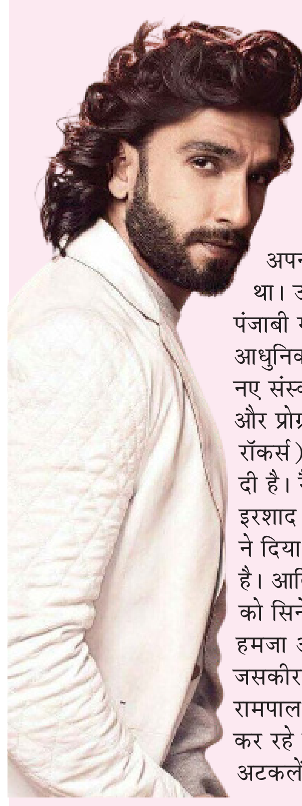

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' से पहला गाना 'आरी आरी' जारी हो गया है। जिस तरह पहली किस्त के गाने 'ना दे दिल परदेसी नू' ने लोगों को अपना दीवाना बना दिया था और वह हर किसी की जुबान पर चढ़ गया था। उसी तरह 'आरी आरी' को दूसरी किस्त में पेश किया है जो मशहूर पंजाबी गाने 'आरी आरी' का नया संस्करण बनकर उभरा है। यह गाना आधुनिक संगीत और पंजाबी बीट का जबरदस्त मेल है। 'आरी आरी' के नए संस्करण को बॉम्बे रॉकर्स ने तैयार किया है। संगीत रचना, संयोजन और प्रोग्रामिंग शशवत सचदेव ने की है, जबकि नवतेज सिंह रेहल (बॉम्बे रॉकर्स), खान साहब, जैस्मीन सैंडलस और सुधीर यदुवंशी ने आवाज दी है। रैप के बोल रेबल और टोकन ने मिलकर लिखे और गाए हैं। गीत इरशाद कामिल और बॉम्बे रॉकर्स ने लिखे हैं, जबकि संगीत एडम लुकास ने दिया है। गाने में 'धुरंधर 2' के ट्रेलर के दृश्यों को शामिल किया गया है। आदित्य धर द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'धुरंधर 2' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें रणवीर अपने पुराने किरदार हमजा अली मदारी के रूप में वापसी करेंगे जो असल में भारत का जासूस जसकीरत सिंह रंगी है। उनके अलावा, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन अपने-अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में यामी गौतम का कैमियो होने की अटकलें भी हैं।

'भूत बंगला' में कॉमेडी, डर और पागलपन करेगा लोटपोट

2007 में रिलीज 'भूल-भुलैया' के बाद, अक्षय कुमार एक और हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' के साथ लौट रहे हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है। जैसा कि फैंस उम्मीद कर रहे थे, इसमें हंसी, मजेदार पंच, डर और पागलपन की भरपूर डोज शामिल है जो देखने वालों को लोटपोट कर देगी।

बता दें, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर 'भूत बंगला' का निर्माण किया है। अक्षय की कॉमेडी हमेशा से जबरदस्त रही है और 'भूत बंगला' के टीजर में उन्होंने यह फिर साबित किया है। उनके साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू, राजेश शर्मा, मिथिला पालेकर और असरानी जैसे कलाकारों ने डर और कॉमेडी का लेवल बढ़ाया है। टीजर के जरिए निर्माताओं ने डर को थोड़ा छिपाकर रखा है, लेकिन आने वाले इस ड्रामे को लेकर लोगों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार की कुर्सी पर संकट

हटाने के लिए 200 से अधिक सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय राजनीति और चुनावी व्यवस्था के केंद्र में इस समय एक बड़ा संवैधानिक संकट खड़ा होता दिख रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए विपक्ष ने कमर कस ली है। लोकसभा और राज्यसभा के 200 से अधिक सांसदों ने इस ऐतिहासिक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे जल्द ही संसद के किसी एक सदन में पेश किया जा सकता है। देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए नोटिस दिया जा रहा है।

क्या है नंबर गेम और नियम?

किसी मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) को पद से हटाना कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं है। संविधान के मुताबिक, उन्हें उसी तरह हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। नियम कहते हैं कि इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी हैं। राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी हैं। वर्तमान मामले में विपक्ष के पास दोनों सदनों में आवश्यक संख्या (130+63) से अधिक समर्थन है।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर 7 संगीन आरोप

एक उच्च पदस्थ सूत्र के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं। इनमें पद पर रहते हुए पक्षपाती और भेदभावपूर्ण आचरण से लेकर चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालने और बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने जैसे आरोप शामिल हैं। विपक्ष दल कई बार मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप लगा चुके हैं कि वह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करते हैं, खासकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में।

'इंडिया ब्लॉक' और 'आप' का अनूठा तालमेल

भले ही आम आदमी पार्टी (AAP) अब औपचारिक रूप से 'इंडिया ब्लॉक' का हिस्सा नहीं है, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त के मुद्दे पर वह भी विपक्ष के साथ खड़ी नजर आ रही है। नोटिस पर हस्ताक्षर करने के लिए सांसदों में इतना उत्साह था कि जरूरी संख्या पूरी होने के बाद भी गुरुवार को कई सांसद अपना समर्थन देने पहुँचे।

क्या होता है आगे का रास्ता?

नोटिस जमा होने के बाद, यदि सदन के अध्यक्ष (लोकसभा स्पीकर या राज्यसभा चेयरमैन) इसे स्वीकार कर लेते हैं, तो आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई जाती है। यदि कमेटी आरोपों को सही पाती है, तो संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना जरूरी है, तभी राष्ट्रपति सीईसी को पद से हटा सकते हैं।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और शशि थरूर आए आमने-सामने

खुले पत्र लिखकर एक-दूसरे पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं मणि शंकर अय्यर और शशि थरूर आमने-सामने आ गए हैं। दोनों ने खुले पत्र के जरिये एक-दूसरे पर निशाना साधा है। अय्यर ने कहा कि वह अब अपने पार्टी सहयोगी थरूर से अलग रास्ता अपना रहे हैं। जबकि, थरूर ने कहा कि वरिष्ठ नेता ने उनके बारे में कई अनावश्यक टिप्पणियां की हैं।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब अय्यर ने थरूर के नाम खुला पत्र लिखा। यह खुला पत्र इसी हफ्ते की शुरुआत में एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। अय्यर ने कहा कि छह मार्च को एक टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में थरूर ने ईरान के खिलाफ जारी 'गैरकानूनी और पापी युद्ध' पर जो जवाब दिया, उससे वह अंदर तक हिल गए। अय्यर के मुताबिक, इस्राइल यह युद्ध अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ मिलकर लड़ रहा है। मणि शंकर अय्यर ने एक खुला पत्र लिखकर शशि थरूर के प्रति अपनी गहरी निराशा व्यक्त की है। अय्यर का मानना है कि थरूर अब पूरी तरह कांग्रेस की विचारधारा के साथ नहीं रहे और उनके मन में वर्तमान शासन (भाजपा) के प्रति सहानुभूति पैदा हो गई है।

मुश्किल में फारूक अब्दुल्ला जारी हुआ गैर जमानती वारंट

एजेंसी । जम्मू

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) स्कैम मामले में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। श्रीनगर की एक अदालत ने गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे कथित जेकेसीए घोटाले मामले में फारूक अब्दुल्ला को झटका दिया।

क्या है मामला?

अब्दुल्ला के खिलाफ जिस मामले में वारंट जारी किया गया है वह जेकेसीए के कामकाज में कथित वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़ा है, जब अब्दुल्ला इसके अध्यक्ष थे। 2018 में सीबीआई ने एक चार्जशीट फाइल की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि जम्मू और कश्मीर में क्रिकेट के विकास के लिए दिए गए 43 करोड़ रुपये से ज्यादा के पैसे को 2002 और 2011 के बीच संघ के अधिकारियों ने गलत इस्तेमाल किया था। ये फंड भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इस क्षेत्र में क्रिकेट के विकास के लिए जारी किए गए 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के ग्रांट का हिस्सा थे। जांच के मुताबिक, ये फंड कथित तौर पर जेकेसीए अकाउंट से धोखाधड़ी से पैसे निकालकर और ट्रांजैक्शन करके निकाले गए थे। अब्दुल्ला और संघ के कई पूर्व अधिकारियों के नाम चार्जशीट में थे।

जम्मू और कश्मीर हाई कोर्ट ने 2015 में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अब्दुल्ला ने पहले किसी भी गलत काम से इनकार किया है और आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। मामला अभी भी अंडर ट्रायल है। फारूक 2001 और 2011 के बीच जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष थे। यह कथित घोटाला 2012 में तब सामने आया जब जेकेसीए के कोषाध्यक्ष मंजूर वजीर ने उस समय के महासचिव मोहम्मद सलीम खान और पूर्व कोषाध्यक्ष अहसान मिर्जा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत समेत 16 देशों के खिलाफ जांच शुरू

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने भारत, चीन, जापान और यूरोपीय संघ जैसे अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच शुरू की है। इसका उद्देश्य उन 'अनुचित व्यापार प्रथाओं' का पता लगाना है जिनसे अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने विभिन्न देशों की नीतियों, कार्यों तथा प्रथाओं की जांच शुरू करने की घोषणा की। यह जांच बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम के खिलाफ शुरू की गई है। इन जांचों से संबंधित सुनवाई पांच मई 2026 से शुरू होगी।

सरिस्का अभयारण्य में बाघिन ने तीन शावकों को दिया जन्म

जयपुर। राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में एक बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इससे अभयारण्य में बाघों की कुल संख्या 53 हो गई है।अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि कैमरे में कैद तस्वीरों एवं वीडियो में सरिस्का के अकबरपुर रेंज में बाघिन एसटी-17 को तीन शावकों के साथ देखा गया है। बाघिन और उसके शावकों की हलचल और स्वास्थ्य पहली नजर में सामान्य लग रहा है। इस बाघिन एसटी-17 ने पहले भी शावकों को जन्म दिया था। निगरानी दलों को बाघिन और उसके शावकों की गतिविधि पर पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

आतंकवाद वित्त पोषण मामले में शब्बीर शाह को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में गुरुवार को जमानत दे दी। शब्बीर को एनआईए ने इस मामले में चार जून, 2019 को गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जमानत के संबंध में शब्बीर पर कुछ कड़ी शर्तें लगाई जाएंगी और विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। पीठ ने शब्बीर की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। एनआईए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा पेश हुए। शब्बीर ने जमानत देने से इनकार किये जाने संबंधी दिल्ली हाईकोर्ट के पिछले साल 12 जून के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल चार सितंबर को शब्बीर को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उसकी याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

हत्या में पांच भाजपा कार्यकर्ताओं की सजा बरकरार

कन्नूर। केरल उच्च न्यायालय ने कन्नूर में 2006 में हुए माकपा (CPIM) कार्यकर्ता याकूब की हत्या के मामले में अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति ए. के. जयशंकरण नाम्बियार और न्यायमूर्ति जोबिन सेब्सटियन की खंडपीठ ने इस मामले में संलिप्त पांच भाजपा कार्यकर्ताओं को निचली अदालत द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोषियों के खिलाफ सबूत और गवाहों के बयान पुख्ता हैं। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह हत्या एक प्रतिशोध की भावना से की गई थी। दरअसल,

घटना से कुछ दिन पहले एक भाजपा कार्यकर्ता पर हमला हुआ था, जिसके जवाब में याकूब पर बम फेंककर उसकी जान ले ली गई। खंडपीठ ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि कन्नूर जिले में माकपा और भाजपा के बीच जारी हिंसक राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण एक बार फिर 24 वर्षीय युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी।

दोषियों की पहचान और साक्ष्य

जिन दोषियों की सजा बरकरार रखी गई है, उनमें विजयेश (43), प्रकाशन (48), काव्येश (43), मनोहरन (31) और शंकरन मास्टर (49) शामिल हैं। अदालत ने कहा कि याकूब के साथियों की गवाही में कोई विरोधाभास नहीं है और उन्होंने हमले के तुरंत बाद इन पांचों की पहचान मुख्य अपराधियों के रूप में की थी।न्यायालय ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जो इस हमले की क्रूरता को दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार, बम विस्फोट के कारण याकूब के सिर में गंभीर चोट आई थी, जिससे उसका 'मस्तिष्क पूरी तरह से नष्ट' हो गया था।इसी चोट को मौत का मुख्य कारण माना गया है।

केवल आय के आधार पर नहीं तय होगा क्रीमी लेयर

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के क्रीमी लेयर से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में कहा है कि किसी अभ्यर्थी को क्रीमी लेयर में शामिल करने का निर्णय केवल माता-पिता या अभिभावकों की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जस्टिस पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की खंडपीठ ने सरकार की अपील खारिज करते हुए कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण करते समय माता-पिता के पद और सामाजिक स्थिति को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया जो विभिन्न हाई कोर्ट के फैसलों के खिलाफ दायर की गई थीं। अदालत के फैसले से उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं पाई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी के आधार पर उन्हें क्रीमी लेयर में डालकर आरक्षण का लाभ देने से मना कर दिया था।

गलत पैमाना अपनाने पर कोर्ट की टिप्पणी

पीठ ने कहा कि अधिकारियों ने उम्मीदवारों को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत मानदंड अपनाया। अदालत के अनुसार किसी अभ्यर्थी के क्रीमी लेयर में आने या न आने का फैसला केवल आय से तय नहीं हो सकता। फैसले में यह भी स्पष्ट किया गया कि माता-पिता के पद और सेवा श्रेणी जैसे कारकों को भी समान रूप से महत्व दिया जाना चाहिए।

1993 के आदेश का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के सरकारी आदेश का हवाला दिया। यह आदेश इंदिरा साहनी मामले के बाद बना था। इसमें स्पष्ट है कि क्रीमी लेयर तय करने के लिए माता-पिता का पद (जैसे ग्रुप ए या ग्रुप बी अधिकारी) मुख्य आधार है। इस नियम के तहत सैलरी और खेती से होने वाली कमाई को आय/संपत्ति टेस्ट में शामिल नहीं किया जाता।

पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों से जुड़ा था विवाद

यह मामला उन उम्मीदवारों से जुड़ा था जिनके माता-पिता सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों या इसी तरह के संस्थानों में कार्यरत थे। सरकार ने 2004 के एक स्पष्टीकरण पत्र का हवाला देकर उनकी सैलरी को आय में जोड़ लिया था, जिसके कारण उन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया गया था।

सरकार को छह माह में पुनर्विचार का निर्देश

अदालत ने कहा कि 2004 का स्पष्टीकरण पत्र मूल नीति को नहीं बदल सकता। साथ ही सरकारी कर्मचारियों और पीएसयू कर्मचारियों के बीच भेदभाव करना समानता के अधिकार के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह छह महीने के भीतर प्रभावित अभ्यर्थियों के दावों पर दोबारा विचार करे और आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए अलग से पद सृजित कर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करे।

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर बने तमिलनाडु के राज्यपाल

चेन्नई। राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने तमिलनाडु के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने शपथ दिलाई। लोक भवन के भरथियार मंडपम में पहुंचने पर अर्लेकर का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे इससे पहले बिहार और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्य कर चुके हैं। लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। उन्होंने तमिलनाडु में राज्यपाल पद की जिम्मेदारी अस्थायी रूप से मिली। इसका मतलब यह है कि वह केरल के साथ-साथ तमिलनाडु के राजभवन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु, राज्य मंत्री केएन नेहरू, ईवी वेलू, पीके शेखर बाबू और एस रेगुपथी, केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन और शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे। चेन्नई स्थित सशस्त्र बलों के प्रमुख, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन और तमिलिसाई साउंडराराजन सहित कई व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

'संसद से नरेंदर गायब, देश से सिलेंडर गायब'

ऊर्जा संकट पर लोकसभा में राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को पश्चिम एशिया में चल रहे ईरान-इस्राइल संघर्ष और उससे पैदा हुए ऊर्जा संकट के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है और भारत के तेल व प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा भी इसी मार्ग से आता है।

राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे और

देश में एलपीजी को लेकर संकट की स्थिति बन रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स और रेस्तरां व्यवसाय पर असर पड़ रहा है।

ट्रंप के बयान पर सरकार को घेरा

राहुल गांधी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर किसी अन्य देश का प्रभाव नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के मामले में स्वतंत्र और स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए।

समुद्र के नीचे छिपा है दुनिया का सबसे ऊंचा झरना

कोपेनहेगन। दुनिया का सबसे विशाल और ऊंचा झरना जमीन पर नहीं, बल्कि समुद्र की गहराई में छिपा है। ग्रीनलैंड और आइसलैंड के बीच स्थित इस अजूबे को 'डेनमार्क स्ट्रेट कैटरैक्ट' कहा जाता है। इसकी ऊंचाई 3,500 मीटर (11,500 फीट) से भी ज्यादा है, जो सबसे ऊंचे ज़मीनी झरने एंजेल फॉल से तीन गुना बड़ी है। यह झरना चट्टानों से नहीं, बल्कि पानी के घनत्व में अंतर की वजह से बनता है। आर्कटिक का ठंडा और नमकीन पानी भारी होने के कारण तेजी से नीचे बैठता है और गर्म पानी के नीचे से बहते हुए जलप्रपात का रूप ले लेता है।

यह झरना दुनिया भर के समुद्री बहाव को चलाता है, जो हमारे ग्रह के तापमान को संतुलित रखने में मदद करते हैं। इसके बहाव से पोषक तत्व ऊपर आते हैं, जिससे समुद्री जीवों को भोजन मिलता है।

गिरनार अंबाजी मंदिर में नॉन-वेज पार्टी

वीडियो वायरल होने के बाद 11 पुजारी और सहायकों पर गिरी गाज

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित गिरनार अंबाजी मंदिर परिसर में कथित तौर पर मांसाहारी भोजन और शराब के सेवन का एक वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 11 पुजारियों और सहायकों को हटा दिया है। वहीं, इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं। जूनागढ़ के कलेक्टर अनिल रणवासिया ने बताया कि इस मामले में अब तक 11 लोगों को उनके काम से हटा दिया गया है। इनमें मंदिर के पुजारी और सहायक शामिल हैं।

जांच के बाद सामने आएगी सच्चाई

जूनागढ़ के उप मंडल मजिस्ट्रेट का कार्यालय इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहा है। प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यह वीडियो कब का है और इसमें दिख रहे लोग वास्तव में क्या कर रहे थे। कलेक्टर ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि वहां वास्तव में शराब और मांस का सेवन हुआ था या नहीं। बता दें कि कई रिपोर्ट्स में वायरल वीडियो का हवाला देते हुए दावा किया गया है!

जंग मध्यपूर्व के तेल ठिकानों पर ईरान का ताबड़तोड़ हमला

होर्मुज का रास्ता नहीं खुलेगा : ईरानी सुप्रीम लीडर

एजेंसी । तेहरान

दुनिया भर में गहराते ईंधन संकट के बीच ईरान ने गुरुवार को मध्य पूर्व के प्रमुख तेल ठिकानों को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ हमले किए। ईरान की मंशा तेल संयंत्रों को तबाह कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को संकट में डालने की है। इन हमलों के कारण फारस की खाड़ी और इराक के बसरा बंदरगाह के पास तेल टर्मिनलों को बंद करना पड़ा है। ईरान ने यूएई के शेबार तेल क्षेत्र और दुबई क्रीक हार्बर को भी ड्रोन से निशाना बनाया, जिससे कई स्थानों पर आग लग गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद अपने पहले बयान में अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद किया जाना चाहिए, नहीं तो उन पर हमले जारी रहेंगे।

इजरायल की जवाबी कार्रवाई और परमाणु केंद्र पर हमला

ईरानी हमलों के जवाब में इजरायल ने तेहरान और लेबनान में आक्रामक सैन्य अभियान छेड़ दिया है। इजरायली सेना ने दक्षिण-पूर्व तेहरान में स्थित ईरान के महत्वपूर्ण परमाणु हथियार निर्माण केंद्र 'तालेघन' को निशाना बनाया, जिसे परमाणु प्रयोगों का मुख्य केंद्र माना जाता है। इसके साथ ही इजरायल ने तेहरान और लेबनान के कई सैन्य ठिकानों पर भारी बमबारी की, जिसमें हिज्बुल्ला के 11 लड़ाकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

युद्ध की मानवीय त्रासदी

इस भीषण जंग में अब तक जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, जिसमें 1300 से अधिक ईरानी और सैकड़ों लेबनानी मारे जा चुके हैं। इराक के बसरा के पास एक अमेरिकी तेल टैंकर 'सेफसी विष्णु' पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य भारतीय क्रू सदस्य घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस हिंसा के कारण ईरान और लेबनान में करीब 40 लाख लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हुए हैं।